ज्ञान विचार

चेहरे क्रीम पावडर से नही बल्कि अपनी काबलियत से चमकते है

PKL NO.KKR/184/2022-24

हिन्दी पाक्षिक राष्ट्रीय समाचार पत्र

सच्ची व स्टीक खबर , आप तक

सम्पादक : जरनैल सिंह

छायाकार : राजरानी

गजब हरियाणा

Contact : 91382-03233

समस्त भारत में एक साथ प्रसारित

HAR/HIN/2018/77311

WWW.GAJABHARYANA.COM ✸ 01 मार्च 2023 वर्ष : 5, अंक : 21 पृष्ट : 8 मूल्य: 7/- सालाना 150/- रुपये ✸ email. gajabharyananews@gmail.com

प्रेरणास्त्रोत: डॉ. कृपा राम पुनिया IAS(Retd.), पूर्व उद्योग मंत्री हरियाणा सरकार

मार्गदर्शक: डॉ. राज रूप फुलिया, IAS (Retd), पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार तथा वाइस चांसलर, गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी हिसार एवं चौधरी देवीलाल यूनिवर्सिटी, सिरसा

उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र सहित कुछ अन्य प्रदेश भी पीपीपी का कर चुके हैं अध्ययन : मुख्यमंत्री

स्मार्ट सिटी करनाल में 400 से अधिक लोगों की मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सुनी समस्याएं, मौके पर किया समाधान

गजब हरियाणा न्यूज/नरेन्द्र धुमसी

करनाल, हरियाणा सरकार द्वारा गांवों को लाल डोरा मुक्त करने की अनूठी पहल को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वामित्व योजना के रूप में देश में लागू की जा चुकी है। अब प्रधानमंत्री ने हरियाणा सरकार की परिवार पहचान पत्र नामक एक ओर अनूठी योजना को सभी राज्यों को अपनाने की सलाह दी है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल आज करनाल जिला में करनाल क्लब में आयोजित मुख्यमंत्री जन संवाद कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने लोगों की समस्याओं को सुना और मौके पर उनके निदान के आदेश दिए। लोगों की समस्याओं को सीधा सुनने की आरंभ की गई मुख्यमंत्री की पहल का लोग स्वागत कर रहे हैं। वे इस बात से संतुष्ट नजर आए कि मुख्यमंत्री स्वयं उच्च अधिकारियों के साथ बैठ कर समस्याओं को सुन रहे हैं और मौके पर ही उनका समाधान कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की जनता उनका परिवार है और लोगों की समस्याओं को सुनने का यह अनूठा प्रयोग है। इससे पहले रोहतक, सिरसा, सोनीपत व कुरूक्षेत्र जिलों में भी जन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जा चुका है। उन्होंने लोगों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं का हर हालत में समाधान किया जाएगा। अधिकारियों को लापरवाही बरतने नहीं दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले 8 वर्षों में व्यवस्था परिवर्तन के कई काम किए हैं। लोगों के जीवन को सरल बनाने व उनकी शिकायतों और समस्याओं के निदान के लिए नई-नई नीतियां बनाई हैं और पुराने कानूनों में संशोधन किये हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने एक नई पहल शुरू करते हुए विवादों से समाधान कार्यक्रम चलाया था, जिसके तहत नई नीतियां बनाकर विभिन्न विभागों की समस्याओं का निदान किया गया।

विशिष्ट विभागों को सौंपी नागरिकों की देखभाल की जिम्मेदारी

मनोहर लाल ने कहा कि राज्य सरकार ने परिवार पहचान पत्र के माध्यम से परिवारों का डाटा एकत्र किया है और उनके कल्याण के लिए विभिन्न योजनाएं चला रही है। परिवार पहचान पत्र के माध्यम से हर वर्ग के कल्याण के लिए नए प्रयोग किए जा रहे हैं। विशिष्ट विभागों को नागरिकों की देखभाल की जिम्मेदारी सौंपने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि 6 वर्ष तक के आयु समूह को महिला एवं बाल विकास विभाग को सौंपा गया है, ताकि हर जरूरतमंद बच्चे की देखभाल की जा सके, भले ही बच्चा वर्तमान में आंगनवाड़ी केंद्र में जा रहा हो या नहीं। उन्होंने कहा कि 6 वर्ष से अधिक और 18 वर्ष तक के आयु समूह को स्कूल शिक्षा विभाग को सौंपा गया है, ताकि विभाग यह सुनिश्चित करे कि कोई भी बच्चा स्कूल से बाहर न रहे।

इसी प्रकार, 18 वर्ष से अधिक और 25 वर्ष तक के आयु समूह को उच्च शिक्षा विभाग को यह सुनिश्चित करने के लिए सौंपा गया है कि प्रत्येक युवा या तो शिक्षित हो या नौकरियों के लिए कौशलप्राप्त हो। 25 वर्ष से अधिक एवं 40 वर्ष तक के आयु वर्ग को युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता विभाग को सौंपा गया है ताकि इस आयु वर्ग के युवाओं के लिए कौशल, उद्यमिता एवं रोजगार सुनिश्चित किया जा सके।

उन्होंने बताया कि 40 से 60 वर्ष तक की आयु वर्ग की देखभाल राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा की जाएगी और 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोगों की देखभाल सेवा विभाग द्वारा की जाएगी। यह सरकार का प्रदेश के लोगों तक पहुंचने का एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है।

80 वर्ष से अधिक आयु के वृद्धजनों की देखभाल के लिए नया प्रयोग

मनोहर लाल ने कहा कि पीपीपी आंकड़ों के आधार पर 80 वर्ष या उससे अधिक आयु वर्ग के लगभग 3600 व्यक्ति ऐसे हैं, जो अकेले रह रहे हैं। उनका ख्याल रखने के लिए सरकार ने वरिष्ठ नागरिक सेवा आश्रम योजना के तहत एक आश्रम बनाने की व्यवस्था की है। इस आश्रम में वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सेवा सहित सभी सुविधाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगी।

राज्य के बजट में हर विभाग, क्षेत्र और वर्ग का रखा गया है ख्याल

मुख्यमंत्री ने कहा कि 23 फरवरी, 2023 को वित्त मंत्री के रूप में उन्होंने वित्त वर्ष 2023-24 का राज्य का बजट पेश किया है। बजट में हर विभाग, हर क्षेत्र और हर वर्ग का ख्याल रखते हुए नई योजनाओं की घोषणाएं की गई हैं, जिन पर 1 अप्रैल से कार्य आरंभ हो जाएगा। बजट एक वर्ष के लिए सरकार की योजनाएं लागू करने का अहम दस्तावेज होता है।

उन्होंने कहा कि विभिन्न माध्यमों से सुचनाएं प्राप्त हुई हैं कि आमजन ने बजट को सराहा है। हालांकि, विपक्ष को भी तो कुछ बोलना होता है। विपक्ष के लोग तो कह रहे हैं कि बजट को जीरो से कम नंबर देना चाहता हूं परंतु नहीं दे पा रहा हूं। लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया से बता दिया है कि राज्य का बजट अच्छा है। उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरियों में भर्ती की प्रक्रिया में तेजी लाई जाएगी।

इस अवसर पर घरौंडा के विधायक हरविंद्र कल्याण, मंडल आयुक्त डॉ. साकेत कुमार, मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव के मकरंद पाण्डुरंग, शहरी स्थानीय निकाय विभाग के निदेशक डी.के. बेहरा, मेयर रेनू बाला गुप्ता, उपायुक्त अनीश यादव, पुलिस अधीक्षक गंगा राम पुनिया, भाजपा जिलाध्यक्ष योगेन्द्र राणा, मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि संजय बठला, स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा के उपाध्यक्ष सुभाष चंद्र, मीडिया कोर्डिनेटर जगमोहन आनंद और सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

हरियाणवी सॉग-कला हमें हमारी संस्कृति से जोड़कर रखता है : कटारिया

गजब हरियाणा न्यूज/ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार के सदस्य सूरजभान कटारिया ने कहा है कि हरियाणवी सॉग-कला हमें हमारी संस्कृति एवं ऐतिहासिक परंपरा से जोड़कर रखता है! कटारिया ने लुप्त होती जा रही इस कला के कलाकारों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इस चमक-दमक के फिल्मी दौर में अपनी संस्कृति एवं इतिहास से जुड़ कर किया जा रहा सांग कला को सरकार का सहयोग भी दिलाया जाएगा। सूरजभान कटारिया ने आज यहां गांव बाहरी में डेरा बाबा सवार नाथ चेला मोहरू नाथ ट्रस्ट संस्था के द्वारा आयोजित तीन दिवसीय सॉग कला कार्यक्रम के पहले दिवस का उद्घाटन करने के पश्चात उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहां की डेरे की प्राचीनता और सिद्धि की प्रसिद्धि दूर-दराज के गांव तक भी फैली हुई है। कटारिया ने इस तीन दिवसीय कार्यक्रम के प्रथम दिन आयोजित विशाल भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। संस्था के प्रधान मानसिंह बचगांव, सरपंच सुभाष एवं मुकेश नाथ ने सूरजभान कटारिया को स्मृति चिन्ह एवं सरोपा भेंट करके सम्मानित किया। कार्यक्रम में मनमोहक रूप से प्रसिद्ध सांगी कलाकार सूरजभान बेदी व विष्णु हरियाणवी की टीम ने धार्मिक एवं सांस्कृतिक के भजनों की प्रस्तुति देकर उपस्थित श्रद्धालुओं का एवं गांव वासियों का मन मोहा! डेरा बाबा सवार नाथ चेला मोहरू नाथ ट्रस्ट कमेटी एवं अन्य ग्रामवासियों ने डेरे की महता पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष मानसिंह बचगांव, प्रधान रामदास, बाहरी ग्राम सरपंच सोनू सुभाष, जिला परिषद सदस्य सुरेंद्र बवानीखेड़ा, श्री गुरु रविदास समाज कल्याण सभा धर्मशाला के प्रधान सूरज भान नरवाल, सावित्रीबाई फुले ट्रस्ट की अध्यक्षा श्रीमती स्वीटी रंगा, आम आदमी पार्टी नेता मेवा सिंह आर्य, फूल सिंह पूर्व सरपंच दयालपुर, रामकुमार राहुल सुविधा, रामकुमार बीबीयान, रामकरण जटिया, रिखी राम यादव, जगमिंदर बैरागी, श्यामलाल अढोन, जसविंदर सरपंच बैचगांव, सतपाल बाहरी, मिहा हा सिंह रंगा आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

स्वच्छता कार्यक्रम से जुड़े हरियाणा के दुल्हेड़ी गांव के युवाओं की प्रधानमंत्री ने की हौसला अफजाई

मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने करनाल में देखा मन की बात कार्यक्रम का प्रसारण

गजब हरियाणा न्यूज/नरेन्द्र धुमसी

करनाल, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम %मन की बात' की 98वीं कड़ी में स्वच्छता कार्यक्रम से जुड़े हरियाणा के दुल्हेड़ी गांव के युवाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान ने हमारे देश में जन भागीदारी के मायने ही बदल दिए हैं। देश में कहीं पर भी कुछ स्वच्छता से जुड़ा हुआ होता है, तो लोग इसकी जानकारी मुझ तक जरूर पहुंचाते हैं। मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने करनाल में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का प्रसारण देखा। इस मौके पर स्थानीय नागरिक भी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री ने दुल्हेड़ी गांव के युवाओं की हौसला अफजाई करते हुए कहा, इन युवाओं ने तय किया हमें भिवानी शहर को स्वच्छता के मामले में एक मिसाल बनाना है। उन्होंने युवा स्वच्छता एवं जन सेवा समिति नाम से एक संगठन बनाया। इस समिति से जुड़े युवा सुबह 4 बजे भिवानी पहुँच जाते हैं। शहर के अलग-अलग स्थलों पर ये मिलकर सफाई अभियान चलाते हैं। ये लोग अब तक शहर के अलग-अलग इलाकों से कई टन कूड़ा साफ कर चुके हैं।

श्री नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम में कहा कि अगर हम ठान लें तो स्वच्छ भारत में अपना बहुत बड़ा योगदान दे सकते हैं। उन्होंने देशवासियों से प्लास्टिक के बैग की जगह कपड़े का बैग लेने का संकल्प लेने का भी आह्वान किया।

उल्लेखनीय है कि गांव दुल्हेड़ी के तीन युवाओं ने तीन साल पहले गांव को साफ सुथरा बनाने का बीड़ा उठाया था। अब युवाओं की इस टीम में 60 से ज्यादा युवा जुड़ चुके हैं। युवाओं के प्रयास से गांव साफ सुथरा नजर आने लगा है। गांव के लोगों में भी स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ी है।

FORM IV

Statement About Ownership And Other Particulars About Newspaper (Gajab Haryana)

1. Place Of Publication : Kurukshetra
2. Periodicity of Its Publication : Fortnightly
3. Printer's Name : Jarnail Singh
Nationality : Indian
Address : # 890P, Sector-4, Urben Estate Kurukshetra
4. Publisher's Name : Jarnail Singh
Nationality : Indian
Address : # 890P, Sector-4, Urben Estate Kurukshetra
5. Editor's Name : Jarnail Singh
Nationality : Indian
Address : # 890P, Sector-4, Urben Estate Kurukshetra
6. Printing Press Name : Dhingra Printing Press, Near Aggarsain Chowk, Mohan Nagar, Kurukshetra
7. Names And Addresses Of Individuals Who One The Newspaper And PartnersOr Share Holder Hlding More Than One Per Cent Of The Total Capital.

Jarnail Singh
 # 890P, Sector-4, Urben Estate, Kurukshetra

I Jarnail Singh. hereby declare that the particulard given above Are True to the best of my knowledge and Belief.

Date : 01-03-023

(Jarnail Singh)
Signature of Publisher

महिलाओं के प्रति बदलनी होगी सोच

भारत को रोजगार के क्षेत्र में लैंगिक समानता प्राप्त करने के लिए बड़े पैमाने पर प्रयास करने की जरूरत है, तभी श्रमबल में महिलाओं की जगह बन सकेगी। समाज में ऐसी रूढ़िवादी धारणा भी काफी प्रबल है, जो यह मानती है कि एक महिला का स्थान घर और रसोई तक सीमित है और अगर वह सामाजिक रूप से स्वीकृत दायरे से बाहर कदम रखती है, तो इससे हमारे सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों पर गहरा प्रभाव पड़ेगा।

भारत में महिलाओं के रोजगार के लिए कृषि भी एक महत्वपूर्ण क्षेत्र रहा है। पिछले तीन दशकों में देश में कृषि-रोजगार में भारी गिरावट देखने को मिली है। ऐसे में अक्सर लोग कृषि से हटकर अनौपचारिक और आकस्मिक रोजगार की ओर पलायन कर रहे हैं, जहां काम काफी छिटपुट और प्रायः तीस दिनों से भी कम का होता है। किसी भी देश के विकास का पैमाना इस बात से भी तय होता है कि उसमें महिला श्रमबल की भागीदारी कितनी है। भारत में पिछले कुछ दशकों में महिलाओं ने भले कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है, लेकिन समाज के साथ-साथ श्रम भागीदारी में आज भी उनकी स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। हमारे यहां महिला को सिर्फ घर संभालने वाले सदस्य के तौर पर देखा जाता है, जबकि पुरुष को कमाऊ सदस्य के तौर पर। यानी प्राचीन समय से चली आ रही लिंगभेद की परंपरा अब भी बरकरार है और लगता नहीं कि यह पूरी तरह खत्म हो सकेगी।

हालांकि बीते दो दशक में वैश्विक स्तर पर महिलाओं की शिक्षा के स्तर में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई है, साथ ही प्रजनन दर में गिरावट देखने को मिल रही है। इन दोनों कारकों के चलते दुनिया में वैतनिक श्रमबल में महिलाओं की भागीदारी काफी बढ़ी है। हालांकि भारत के मामले में स्थिति सामान्य और स्पष्ट नहीं है। भारत का सामाजिक ढांचा शुरू से ही अलग रहा है, जिसमें महिलाओं को घर की दहलीज लांघने के लिए भी संघर्ष करना पड़ता है। फिर भी आवधिक श्रमबल सर्वेक्षण 2018-19 के मुताबिक 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की महिला श्रमबल भागीदारी दर यानी एलएफपीआर ग्रामीण क्षेत्रों में तकरीबन 26.4 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 20.4 प्रतिशत है।

बीते वर्षों में लैंगिक समानता की दिशा में सरकार द्वारा किए गए प्रयासों को कोरोना ने काफी प्रभावित किया है, जिसके चलते महिलाओं और लड़कियों के समक्ष मौजूद असमानता की गहरी खाई और चौड़ी हुई है। विश्व स्तर पर देखें तो लगभग आधी महिला आबादी काम करती है। हाल ही में कई देशों में महिला श्रमबल में वृद्धि के कारण रोजगार में महिला और पुरुषों के बीच का अंतर कम हुआ है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा जारी रिपोर्ट 'विश्व रोजगार और सामाजिक दृष्टिकोण-रुझान 2020' में यह सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत के अलावा पाकिस्तान, बांग्लादेश और उत्तरी अफ्रीका के देशों- मोरक्को, मिस्र और ट्यूनीशिया में भी यही स्थिति है। सामाजिक स्तर पर महिलाओं की खराब स्थिति के चलते उनका रोजगार जनसंख्या औसत भी बेहद खराब श्रेणी में है, जो खुले तौर पर लैंगिग असमानता को प्रदर्शित करता है। फिर भी, भारत की अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी के रुझान इसके विपरीत दिशा में बढ़ रहे हैं।

तीव्र प्रजनन क्षमता के बावजूद, महिलाओं द्वारा शिक्षा अर्जित करने में व्यापक वृद्धि हुई है और पिछले दो दशक में पर्याप्त आर्थिक विकास हुआ है, फिर भी काम करने वाली भारतीय महिलाओं की हिस्सेदारी समय के साथ कम हो गई है। भारत को रोजगार के क्षेत्र में लैंगिक समानता प्राप्त करने बड़े पैमाने पर प्रयास करने की जरूरत है। इन प्रयासों में आर्थिक अवसर, कानूनी संरक्षण और भौतिक सुरक्षा जैसे कारक सम्मिलित होंगे। महिलाएं पहले से हमारी अर्थव्यवस्था का हिस्सा हैं और अनौपचारिक क्षेत्र में कम पारिश्रमिक वाली नौकरियां कर रही हैं। ऐसे में उनमें उचित कौशल निर्माण को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। सरकार कौशल प्रशिक्षण पर जोर देती रही है। महिलाएं शहर के लिए आवश्यक कुछ सेवाएं प्रदान करने की दृष्टि से उपयुक्त हैं। हालांकि महिलाओं को काम के परंपरागत क्षेत्रों तक ही सीमित रखने का कोई कारण नहीं है। वे अगर कौशल से युक्त हों, तो उनमें परंपरगत रुकावटों को दूर करने और नए रोजगार में खुद को बेहतर साबित करने की स्वाभाविक योग्यता होती है।

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था चूंकि शहरों पर आधारित होती जा रही है, इसलिए महिलाओं के लिए रोजगार के अवसरों का सृजन भी मजबूरन शहरों को केंद्र में रखकर ही करना पड़ेगा। मगर सरकार का उद्देश्य कार्यबल में महिलाओं का बड़ा अनुपात शामिल करना है, तो अपने यहां शहरी सेवाओं में मौजूद खामियों को दूर करना होगा। महिलाओं को ग्रामीण अर्थव्यवस्था से भी जोड़ना होगा। जिन महिलाओं का संपर्क शहरों तक नहीं हो पाता, उनके घर के पास और उनकी इच्छा की समयावधि में काम को तरजीह देनी चाहिए। इसके लिए पहले से मनरेगा के तहत उन्हें पहले से तय मजदूरी की दर पर सौ दिनों का रोजगार देने का प्रावधान है। मगर 2018 में एक सर्वेक्षण से पता चला कि ऐसे कामों में महिलाओं की भागीदारी कम हो रही है।

ग्रामीण समाज में यह अधिक स्पष्ट तौर पर दिखता है। परिवार का आकार घटने व दबाव में ग्रामीण पुरुषों के होने वाले पलायन की वजह से महिलाओं के बगैर भुगतान वाले काम बढ़ गए हैं। ओईसीडी की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय महिलाएं हर दिन औसतन 352 मिनट घरेलू कामों में लगाती हैं। पुरुष बगैर भुगतान वाले काम में जितना वक्त लगाते हैं, उसके मुकाबले 577 फीसद अधिक है। यह आपूर्ति की समस्या है, जिसका समाधान किया जाना चाहिए। अक्सर देखा गया है कि इसकी मार गरीबों पर अधिक पड़ती है। बगैर भुगतान वाले कार्यों में लगी होने की वजह से महिलाएं रोजगार के लिए जरूरी शिक्षा और कौशल हासिल नहीं कर पाती हैं। इससे वे कार्यबल से लगातार बाहर बनी रहती हैं। ऐसे में बुजुर्गों और बच्चों की देखरेख के लिए आश्रय बनने चाहिए, ताकि अब श्रमबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ सके।

ग्रामीण भारत में इस समस्या के समाधान के लिए यह जरूरी है कि श्रमिकों की मांग संबंधित समस्याओं का भी समाधान किया जाए। इसके लिए लैंगिक जरूरतों के हिसाब से नीतियां बननी चाहिए, ताकि महिलाओं पर बगैर भुगतान वाले कार्यों का बोझ कम हो। इसका समाधान किए बगैर श्रमबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना आसान नहीं होगा। अक्सर महिलाओं का काम करना पुरुष प्रधान समाज में उनके पति की असमर्थता के रूप में देखा जाता है। समाज में ऐसी रूढ़िवादी धारणा भी काफी प्रबल है, जो यह मानती है कि एक महिला का स्थान केवल घर और रसोई तक सीमित है और अगर वह सामाजिक रूप से स्वीकृत दायरे से बाहर कदम रखती है, तो इससे हमारे सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों पर गहरा प्रभाव पड़ेगा।

कई अवसरों पर यह देखा जाता है कि जो महिलाएं श्रम बल में शामिल भी हैं, वे अपने रोजगार की प्रकृति के कारण देश के अधिकांश श्रम कानूनों के दायरे से बाहर रहती हैं, इसमें हाल ही में पारित सामाजिक सुरक्षा संहिता शामिल है। भारतीय अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी और समावेशन सुनिश्चित करने के लिए उनके समक्ष मौजूद बाधाओं को दूर किए जाने की आवश्यकता है, जिसमें श्रम बाजार तक पहुंच व संपत्ति में अधिकार सुनिश्चित करना और लक्षित ऋण तथा निवेश आदि शामिल हैं। कोरोना महामारी ने पुरुषों से अधिक महिलाओं के रोजगार को प्रभावित किया है। श्रमबल में हिस्सेदारी करने वाली महिलाओं के लिए समान अवसर तय करने हेतु मजबूत और सम्मिलित प्रयास किए जाने की आवश्यकता है, जिसमें कि महिलाओं के लिए आने वाला कल आसान बन सके।

जरनैल रंगा

डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने दिए महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार : प्रो. सचदेवा

डॉ. अम्बेडकर ने सारा जीवन महिला उत्थान के लिए किया न्यौछावर : प्रो. विजय

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, डॉ. भीमराव अम्बेडकर अपने दौर के पूरे विश्व में सबसे विद्वान व्यक्ति थे। उन्होने उस समय महिलाओं के अधिकारों की मांग की जब यूरोप के विकसित देश इस विषय के बारे में सोच भी नहीं सकते थे। डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार दिये तथा लैगिंग असमानता को दूर करने के लिये भारतीय संविधान के आर्टिकल 14 से 16 में महिलाओं को समान अधिकार देने का प्रावधान किया। यह विचार कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने शुक्रवार को विश्वविद्यालय के सीनेट हॉल में कुवि के डॉ. भीमराव अम्बेडकर अध्ययन केन्द्र द्वारा आयोजित 'डॉ अम्बेडकर एवं महिला सशक्तिकरण' विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए। कुवि कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर हमेशा समय से आगे चलते थे तथा वे भविष्य में आने वाली सामाजिक समस्याओं को समझ कर उनके निदान पर कार्य करने वाले विरले समाजशास्त्री थे। डॉ. अम्बेडकर ने अनुसार किसी भी महिला को सिर्फ महिला होने की वजह से किसी अधिकार से वंचित नही रखा जा सकता। इस अवसर पर कुवि कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ ने प्रो. गोपाल प्रसाद एवं डॉ. प्रीतम सिंह द्वारा सम्पादित पुस्तक 'डॉ. भीमराव अम्बेडकर - महिला सशक्तिकरण के विशेष संदर्भ में' का विमोचन भी किया।

कुवि कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने डॉ. अम्बेडकर की बात को दोहराते हुए उन्होने कहा कि सही मायने में प्रजातंत्र तब आयेगा महिलाओं को पिता की संपत्ति में बराबरी का हिस्सा दिया जाएगा तथा उनको पुरुषों के समान अधिकार मिलेंगे तथा महिलाओं की उन्नति तभी होगी जब उन्हें पुरुषों के समान अधिकार मिलेंगे। उन्होंने प्रसूति अवकाश के अधिकारों के बारे में कहा कि डॉ अम्बेडकर ने 1938 में महिलाओं के प्रसूति काल में होने वाली शारीरिक समस्याओं को बाम्बे लेजिस्लेटिव असेंबली में उठाया और मातृत्व अवकाश की बात की। हालांकि 1970 के दशक में न्यायालय कोर्ट के माध्यम से अमेरिका जैसे देशों में ये मांग उठाई गई। इस अवसर पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का शुभारम्भ कुवि कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा, चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा के भूतपूर्व कुलपति प्रो. विजय कुमार कायत, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ स्टोकहम स्वीडन की डॉ. कर्मप्रिया मस्कोट, हरियाणा तकनीकी शिक्षा बोर्ड, पंचकुला के सचिव डॉ. राजेश गोयल, प्रो. प्रियतोष, डॉ. अम्बेडकर अध्ययन केन्द्र के निदेशक प्रो. गोपाल प्रसाद, सहायक निदेशक डॉ. प्रीतम सिंह ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इससे पहले कुवि के डॉ. अम्बेडकर अध्ययन केन्द्र के सहायक निदेशक डॉ. प्रीतम सिंह ने मुख्यातिथि, विशिष्ट अतिथियों सहित सभी का स्वागत एवं परिचय करवाया।

डॉ. अम्बेडकर अध्ययन केन्द्र के निदेशक प्रो. गोपाल प्रसाद ने केन्द्र में चलने वाली शैक्षिक एवं शोध गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि यह केन्द्र बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर के विचारों एवं दर्शन को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रहा है। उन्होंने इस सेमिनार के आयोजन के लिये विश्वविद्यालय के कुलपति का भी धन्यवाद किया।

सेमिनार में चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा के भूतपूर्व कुलपति प्रो. विजय कुमार कायत ने बतौर मुख्यातिथि कहा कि भी डॉ. अम्बेडकर ने अपना सारा जीवन महिला उत्थान के लिए

न्यौछावर कर दिया। उद्घाटन सत्र के मुख्य वक्ता प्रो. प्रियतोष ने डॉ. अम्बेडकर और महिला सशक्तिकरण के विषय पर क्रमबद्ध तरीके से अम्बेडकर के विचारों और उनके कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि 19वीं शताब्दी में हुई एक घटना के कारण उनको इस बात के लिये प्रेरित किया कि कर्मकांड आधार पर किए गए वैवाहिक बंधन को बदला जाए। एक अल्पायु महिला का विवाह हो जाने पर वह उसके साथ जाने से मना कर देती है और धर्म कहता है कि तुम्हारे सामने दो ही रास्ते हैं या तो पति के साथ जाये या फिर जेल। जबकि वह महिला उसके साथ जाने को तैयार नही थी क्योंकि उनका विवाह अल्पायु में हुआ था जबकि उसे समझ भी नहीं थी। इस घटना से उन्होंने संविधान में तलाक या विवाह-विच्छेद अधिकार का संविधान में प्रावधान किया गया।

इस अवसर पर प्रो. एसके चहल, प्रो. दिनेश राणा, डॉ. रमेश सिरोही, डॉ. कुलदीप सिंह, कुटा प्रधान डॉ. आनन्द कुमार, डॉ. सोमबीर जाखड़, डॉ. रीटा राणा, डॉ. हरिओम फूलिया, डॉ. रामचन्द्र, दलबीर मान सहित शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

डेरा बाबा संवार नाथ बाहरी में तीन दिवसीय सांग शुरू

गजब हरियाणा न्यूज/ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, डेरा बाबा संवार नाथ गांव बाहरी (कुरुक्षेत्र) मे फाल्गुन मास की शुक्ल पक्ष की नवमी के उपलक्ष मे पूजा व भंडारे आयोजन किया जा रहा है। इस समारोह मे प्रचलित परंपरा के अनुसार तीन दिन के हरियाणवी धार्मिक सांग का भी आयोजन किया जा रहा है । मशहूर हरियाणवी सांगी सूरज बेदी, विष्णु एवं पार्टी द्वारा किया जा रहा है। इस पूरे समारोह का प्रबंधन संवारनाथ चेला मोहरू नाथ चेरिटेबल ट्रस्ट (पजी.) के द्वारा किया जा रहा है । ट्रस्ट द्वारा सुशोभित बाबा मुकेश नाथ जी इस समय डेरे में गद्दीनसीन हैं।

इस पूजा उत्सव से पहले गांव के नवनिर्वाचित सरपंच सोनू द्वारा डेरे में रंग रोगन व अन्य कार्य अपनी अटूट श्रद्धा से शुरू किए । डेरे में लंगर भंडारे का कार्य सतपाल की देखरेख में हुआ। अतिथियों, सुरक्षा, सांग व इससे संबन्धित कार्य मान सिंह बजगांवा व फूल सिंह पूर्व सरपंच दयालपुर, राम कुमार जोगना खेरा, बचना राम चीबा की देखरेख में किया जा रहा है। स्टेज व मान सम्मान का कार्य मिहा सिंह रंगा द्वारा किया जा रहा है और इस पूरे समारोह के कार्यक्रम की रूप रेखा व प्रबंधन की सेवा कुलवंत सिंह कोषाध्यक्ष को सौंपी गई है।

आज सांग का पहला दिन है और इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सामाजिक कल्याण विभाग, भारत सरकार के सदस्य व महामंत्री बीजेपी हरियाणा सुरजभान कटारिया ने शिरकत की । सबसे पहले ट्रस्ट के सदस्यों व ग्राम वासियों ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और फिर मुख्य अतिथि द्वारा स्टेज पर रिबन काटकर सांग का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि द्वारा ग्राम सरपंच सोनू को भी उनके द्वारा डेरे में किए गए सेवा कार्यों हेतु स्टेज से सम्मानित किया । उन्होने बाबा साहेब डा. भीम राव अंबेडकर जी के 'शिक्षित रहो, संगठित रहो, संघर्ष करो' के सिद्धान्त को याद दिलाते हुए सबको एकजुट रहने की सलाह दी।

इस अवसर पर दूर दराज से आए भक्त जनों के साथ साथ भारी संख्या में ग्रामवासी, महिलाए व मौजूद रहे और सांग और संगीत का आनंद लिया ।

देश को विकसित करने के लिए अभी प्रधानमंत्री को बहुत काम करना है : गृह मंत्री अनिल विज

कांग्रेस पर अनिल विज का ट्वीट के माध्यम से तंज, तुम्हें तुम्हारी कब्र मुबारक

गजब हरियाणा न्यूज/ जरनैल रंगा

चंडीगढ़, हरियाणा के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के काम की तारीफ करते हुए कहा कि देश को विकसित करने के लिए अभी प्रधानमंत्री को बहुत काम करना है और देश के कोने कोने को विकसित करना है।

श्री विज ने आज ट्वीट करके कहा कि 'कबर के अंदर से कांग्रेस जनों की आवाज आई तूं भी अंदर आजा मोदी भाई ।

मोदी ने कहा तुम्हारी कबर तुम्हे ही मुबारक हो मुझे तो अभी बहुत काम है करना ।

मैंने देश के कोने कोने को है विकसित करना।

आखिर तो है इकदिन सबको जाना।

परंतु मैं कबर में नही लकड़ो पे जाऊंगा अपनी सनातन परंपरा निभाऊंगा'।

उल्लेखनीय है कि श्री विज ने अपने ट्वीट के माध्यम से कांग्रेस पर मजाकिया तंज किया कि कांग्रेस को ही अपनी कब्र मुबारक हो, क्योंकि मोदी जी को अभी बहुत काम देश के लिए करने है। श्री विज ने अपने ट्वीट में सांसारिक

प्रक्रिया का उल्लेख किया कि इस दुनिया से सबको एक दिन जाना होता है परंतु प्रधानमंत्री सनातन परंपरा का निर्वहन करेंगे।

उमरी गांव में वाल्मिकी समाज ने समाजसेवी संदीप गर्ग को दिया पूर्ण समर्थन

2024 में विधानसभा चुनाव में समाज पूर्ण रुप से देगा साथ : कृष्ण लाल

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, पिपली ब्लाक के गांव उमरी में वाल्मीकि समाज ने स्टालवर्ल्ड फाउंडेशन के चेयरमैन समाजसेवी संदीप गर्ग को 2024 विधानसभा चुनाव में किसी भी पार्टी या आजाद उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने पर दिया अपना समर्थन।

पूर्व सरपंच कृष्ण लाल ने कहा कि जिस प्रकार से समाजसेवी संदीप गर्ग लाडवा हलके की जनता की सेवा करने में लगे हुए हैं, उससे यह साफ जाहिर होता है कि यदि 2024 के विधानसभा चुनाव में समाजसेवी संदीप गर्ग लाडवा विधानसभा से चुनाव लड़ते हैं, तो बाल्मीकि समाज पूर्ण रूप से उनको समर्थन देगा। उन्होंने कहा कि उमरी में जो रविवार को उनको समर्थन दिया गया है, उसके लिए बाल्मीकि समाज वचनबद्ध है और हमेशा रहेगा। उन्होंने कहा कि क्योंकि कोई भी व्यक्ति अपने निजी खर्च से इतना कार्य नहीं कर सकता, जितना कार्य लगभग पिछले 1 साल से भी अधिक हो गए हैं, निरंतर लाडवा हलके की जनता की सेवा करने में लगे हुए हैं। वहीं समाजसेवी संदीप गर्ग ने वाल्मीकि समाज को विश्वास दिलाते हुए कहा कि जो विश्वास उन्होंने उन पर किया है, उस पर वह खरा उतरने का प्रयास करेंगे और लाडवा हलके की जनता के दुख दर्द दूर करने के लिए सदैव उनके साथ है। उन्होंने कहा कि जो मान सम्मान आज गांव उमरी में उनको मिला है उसको वह कभी नहीं भुला सकते। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में उनके द्वारा लाडवा हलके के लोगों के लिए अनेक योजनाएं शुरू करने को लेकर कार्य चल रहे हैं जो जल्द ही लाडवा हलके की जनता के बीच में रख दिए जाएंगे। इससे पूर्व उनका वहां पहुंचने पर बाल्मीकि समाज के लोगों द्वारा स्वागत किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक बंता राम, पूर्व सरपंच कृष्ण लाल, प्रवीण कुमार, सूरजभान, जोगिंदर सिंह, जसमेर, भाई दिनेश पहलवान, रिंकू, बालकिशन, प्रेम चंद के इलावा कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल को नैतिकता के आधार पर फखर-ए-कौम अवार्ड लौटा देना चाहिए : अजराना

कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में गुरुद्वारा साहिब पातशाही छठी में शिअद गुर्गों द्वारा खलल डालने की सख्त शब्दों में की निंदा

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । शिरोमणि अकाली दल बादल के संरक्षक एवं पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल को नैतिकता के आधार पर फखर-ए-कौम अवार्ड लौटा देना चाहिए। यदि वे ऐसा नहीं करते, तो श्री अकाल तख्त साहिब श्री अमृतसर के जत्थेदार सिंह साहिब ज्ञानी हरप्रीत सिंह को चाहिए कि वे उन्हें यह अवार्ड लौटाने के लिए निर्देश दें। यह मांग शिरोमणि अकाली दल हरियाणा स्टेट के प्रवक्ता एवं सिख परिवार हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष कवलजीत सिंह अजराना ने करते हुए बादल पिता-पुत्र पर तीखे प्रहार किए। कवलजीत सिंह अजराना यहां पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने बताया कि बैठक में सभी कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में पिछले दिनों ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब पातशाही छठी कुरुक्षेत्र में शिअद के पदाधिकारियों द्वारा हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के कार्यक्रम में खलल डालने की सख्त शब्दों में निंदा की। उन्होंने कहा कि बादल ग्रुप ने सदैव ही श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की मर्यादा का हनन किया है जो अब जगजाहिर हो गया है। उन्होंने गत दिवस कोटकपूरा मामले में शिअद सुप्रीमो प्रकाश सिंह बादल और शिअद के राष्ट्रीयाध्यक्ष व पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल को आरोपी बनाए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि नाम सिमरन कर रही निहत्थी संगत पर साजिश के तहत गोली चलाना अब सामने आ चुका है इसलिए प्रकाश सिंह बादल को चाहिए कि वे नैतिकता के आधार पर फखर-ए-कौम अवार्ड लौटा दें। अजराना ने कहा कि इससे पहले भी डेरा सिरसा प्रमुख को क्लीन चिट दिलवाने के आरोप भी बादल

परिवार पर लगे थे। इतना ही नहीं, श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी महाराज के 328 स्वरूप चोरी होने का दाग़ भी उनके दामन पर लगा है। इसके अलावा उनके मुख्यमंत्री काल में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी महाराज के स्वरूपों की विभिन्न स्थानों पर बेअदबी की घटनाएं भी हुई हैं, जिनके छींटे भी बादल परिवार पर लगे थे। अजराना ने कहा कि इतना सब होने के बावजूद बादल परिवार ने न तो अतीत से सबक लिया और न ही गलती सुधारने का कोई प्रयास किया, अपितु कुरुक्षेत्र में अपने गुर्गे भेज कर हरियाणा का माहौल भी खराब करने का असफल प्रयास किया है। इन सभी घटनाओं से स्पष्ट है कि प्रकाश सिंह बादल और उनके पुत्र सुखबीर सिंह बादल के लिए सिख कौम का कोई महत्व नहीं है, बल्कि उनके निजी हित सर्वोपरि हैं। ऐसे में संगत की मांग है कि बादल परिवार तुरंत प्रभाव से फखर-ए-कौम अवार्ड लौटा दे। बैठक में श्री हेमकुंट साहिब सेवा सोसायटी के प्रधान तेजेन्द्र सिंह मक्कड़, नरेंद्र सिंह गिल, गुरविंदर सिंह, जगतप्रीत सिंह, अजैब सिंह, राजा सिंह भट्टी, नरेंद्र सिंह गोराया, बाबा जतिंदर सिंह, रोशन सिंह, हरनेक सिंह, गुरविंदर सिंह कालरा, अजीत सिंह, जत्थेदार बलजीत सिंह, कुलविंदर सिंह व सिमरन सिंह आदि मौजूद रहे।

8 साल बेमिसाल गांव की सड़कों का बुरा हाल : प्रवीन

गाँव के लोग वोट की चोट से देगे जवाब

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगत

कुरुक्षेत्र । कांग्रेस ओबीसी सैल के प्रदेश संयोजक व जिला प्रभारी पानीपत प्रवीन कश्यप दयालपुर ने आज थानेसर हलके के गांव की सड़कों का दौरा किया कश्यप ने कहा कि भाजपा सरकार 8 साल बेमिसाल का नारा दे रही है लेकिन हकीकत में कुछ और ही दिखाई दे रहा है। गांव की सड़कों की हालत आज खस्ता हालत में पड़ी हुई है गांव के विकास की अनदेखी की जा रही है आज उन्होंने गांव अभिमन्युपुर व बीड़ अमीन की गांव की सड़कों का दौरा किया। सड़कों की हालत ऐसी है कि उन पर चलाना मौत को आवाज देना है। हलके के गांव अभिमन्युपुर , बीड़ अमीन , तिगरी, ईशाकपुर को जोड़ने वाली सड़क की हालत खस्ता हालत में है बरसात के मौसम में इन सड़कों से गुजर ना इतना मुश्किल हो जाता है। यह सड़क एक फुट से भी ज्यादा गहरी टूट चुकी है। बरसात के समय सड़कें पानी से लबालब हो जाती है। ऐसे में सड़क व खेत एक से दिखने लगते हैं जिससे गुजरना मुश्किल हो जाता है इसमें जान माल खोने का डर बना रहता है। प्रभारी ने प्रशासन व विधायक से अपील की जल्द से जल्द सड़कों का निर्माण कराया जाए ताकि किसी भी अपनी जान जोखिम में न डालना पड़े। उन्होंने ने यह भी कहा कि अगर सड़कों की हालत ऐसे रही तो आने वाले समय में गांव के लोग वोट की चोट से भाजपा को सत्ता से

भगाने का काम करेंगे। फिर से प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनेगी। कांग्रेस के समय में ही गांव में विकास की लहर थी सबको एक नजर से देखा जाता था। आने वाला समय कांग्रेस पार्टी का होगा प्रदेश के सीएम हुड्डा बनेंगे।

छात्र सम्मान समारोह का आयोजन किया

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कैथल । 'शिक्षा प्रथम उद्देश्य - बसवा' गांव बाबा लदाना में डॉ भीमराव अम्बेडकर शिक्षा समिति ने माता रमाबाई अंबेडकर जी के जन्मदिवस पर छात्र सम्मान समारोह किया गया। जिसकी अध्यक्षता मान्यवर मनोज बौद्ध व अशोक मेहरा द्वारा की गई और मान्यवर अशोक मेहरा ने मंच का संचालन किया। मुख्य अतिथि मैडम सुदेश रही। मुख्य वक्ता समाजसेवी गुरूदेव अम्बेडकर बडसीकरी हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ बसवा व मान्यवर अनील सिरोही थे। वरिष्ठ अथिति पिंकी, प्रकाश, मनोज ने अपने

विचार व्यक्त किए। समाजसेवी गुरूदेव अम्बेडकर बडसीकरी ने बताया कि आज गरीब बच्चों के लिए शिक्षा कितनी महंगी होती जा रहीं हैं जो कि शिक्षा को गरीब बच्चों से दुर किया जा रहा है। क्यूंकि सरकार चिराग योजना लेकर आई है जो सरकारी स्कूलों को बंद करने का काम कर रही है जिससे प्राईवेट स्कूलों को बढ़ावा दिया जा रहा है। बसवा टीम इंडिया सरकार से मांग करती है कि चिराग योजना बंद करें और सभी कर्मचारियों, व्यापारियों, अधिकारियों, मजदूरों, किसानों व विधायकों सांसदों मंत्रियों के बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ें, ऐसा कानून सरकार ने पास करना चाहिए। सरकार ने जो कौशल विकास योजना चलाई है उसको बंद करें या उस योजना में आरक्षण बहाल करे। डॉ भीमराव अम्बेडकर शिक्षा समिति ने गांव के शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बच्चों को सम्मानित किया गया।

20 वर्षीय युवती की मौत

पुलिस ने पिता व ताऊ पर ऑनर किलिंग के मामले में केस दर्ज किया

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर । हरियाणा के यमुनानगर में रादौर क्षेत्र के गांव नाहरपुर में एक 20 वर्षीय युवती की मौत पर उसके पिता व ताऊ पर ऑनर किलिंग के मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर लिया। इस घटना से इलाके में सनसनी फ़ैल गई। पुलिस ने रविवार शाम को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौप दिया। थाना जठलाना प्रभारी संदीप कुमार ने बताया कि प्राथमिक जांच में सामने आया है कि युवती घरवालों की मर्जी से शादी करने के लिए तैयार नहीं थी। यही आरोप युवती के मामा ने लगाए है। युवक कहां का है और किस समुदाय से संबंधित है। यह जांच का विषय है। आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उनसे पूछताछ में जो भी सामने आएगा उसी अनुसार आगामी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजन को सौप दिया है। मामला गांव के भी एक युवक के साथ प्रेम प्रसंग होने से जुड़ा बताया जा रहा है, जो इन दिनों विदेश में रहता है। लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस भी मामले में जांच और आरोपियों से पूछताछ के बाद ही कुछ भी कहने की बात कह रही है।

महाधिवेशन से संगठन को मिलेगी मजबूती : बिमला सरोहा

गजब हरियाणा न्यूज

कुरुक्षेत्र, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का 85वें राष्ट्रीय महाधिवेशन छत्तीसगढ़ के राजधानी रायपुर लाखों कांग्रेसी जन पहुंचे। हरियाणा प्रदेश से महिला काग्रेस की वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं सदस्य,हरियाणा काग्रेस कमेटी बिमला सरोहा ने भाग लिया। उन्होंने बताया कांग्रेस संगठन को मजबूती देने के लिए इस महाधिवेशन का आयोजन किया गया जिसमे विशेष जानकारी दी गई। इस महाधिवेशन से कांग्रेसजनों ने उत्साह के साथ बढ-चढ कर भाग लिया। उन्होंने बताया की यह महाधिवेशन 24 से 26 फरवरी तक तीन दिवसीय आयोजित किया गया। उन्होंने कहा की 2024 में कांग्रेस पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगी। आज देश की जनता महंगाई से त्राहि त्राहि कर रही है।

बडसीकरी कलां में कलायत थाना प्रभारी दलबीर सिंह ने किया निरीक्षण

गजब हरियाणा न्यूज

कैथल । डॉ भीमराव अम्बेडकर पुस्तकालय बडसीकरी कलां में कलायत थाना प्रभारी दलबीर सिंह पहुंचे । उन्होंने पुस्तकालय का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि कैथल जिला में ऐसा पहला पुस्तकालय देखा जिसमें लड़कों व लड़कियों के लिए बैठने की व्यवस्था अलग अलग की हुई है।

डॉ भीमराव अम्बेडकर युवा मंच के संरक्षक समाजसेवी गुरूदेव अम्बेडकर बडसीकरी ने बताया कि बच्चों के लिए पानी,बिजली व लेट्रिंग बाथरूम की व्यवस्था कि गई। उन्होंने बताया की जल्द ही गर्मी के मौसम को देखते हुए दो एसी का प्रबंध पुस्तकालय में किया जाएगा। डॉ भीमराव अम्बेडकर युवा मंच के प्रभारी कुलदीप धानिया ने बताया कि पुस्तकालय से अब तक 40 के करीब सरकारी नौकरी युवाओं ने प्राप्त की है। डॉ भीमराव अम्बेडकर पुस्तकालय बडसीकरी कलां कैथल जिला का पहला सामाजिक पुस्तकालय बना है जिसमें से 40 के करीब सरकारी नौकरी युवाओं ने प्राप्त की है। थाना प्रभारी कलायत दलबीर सिंह ने पुस्तकालय की सफलता को देखते हुए आर्थिक सहयोग भी किया ताकि बच्चों को कंपीटिशन की पुस्तकें उपलब्ध करवा सके। इस अवसर पर मनीष कश्यप, संदीप कश्यप, राहुल धानिया व भीमा राम मौजूद रहे।

सर्व समाज कल्याण सेवा समिति ने गांव खैरी में लगाया रक्तदान शिविर

गजब हरियाणा न्यूज/रविंद्र

पिपली । सर्व समाज कल्याण सेवा समिति द्वारा गांव खैरी में रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर में 25 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। शिविर में गांव खैरी के सरपंच सुरेश सैनी बतौर मुख्यातिथि के तौर पर मौजूद रहे।

सरपंच सुरेश सैनी ने रक्तदाताओं को बैच लगाकर उनका उत्सावर्धन करते हुए कहा कि रक्तदान ही सबसे बड़ा दान होता है और इसे दान करने से हम किसी को जीवन दान दे सकते हैं, इसलिए सभी को बढ़ चढ़कर शिविर, कैम्पों में हिस्सा लेना चाहिए। इससे पहले सरपंच सुरेश सैनी का शिविर में पधारने पर समिति के हलका लाडवा प्रधान राकेश खैरा, प्रदेशाध्यक्ष रामेश्वर सैनी, संरक्षक नरेश सैनी, कोषाध्यक्ष ऋषिपाल गोलन, मीडिया प्रभारी तरूण वधवा ने स्वागत किया। हलका प्रधान राकेश खैरा ने ब्लड डोनेट के बारे में बताते हुए कहा कि अपने जीवन में हर व्यक्ति को ब्लड डोनेट करना चाहिए, इससे हमारा शरीर तो स्वस्थ रहता है ही और वक्त रहते हम किसी जरूरतमंद की जान बचा सकते है। शिविर में पार्थ ब्लड सेंटर से डा. श्वेता के नेतृत्व में टेक्निकल सुपरवाइजर संजीव वर्मा, लैब टैक्नीशियन मोनिका व हर्ष ने रक्त एकत्रित किया। अतिथियों ने रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। शिविर के दौरान डा. श्वेता पैथ लैब से डा. श्वेता सैनी ने ग्रामीणों की शुगर व एचबी की जांच की। इस अवसर पर डा. हाकम सिंह, संजीव, शिव कुमार आदि मौजूद रहे।

साहब कांशीराम जी के जन्मदिवस पर विशेष

(15 मार्च)

साहब कांशी राम - भारत के ऐतिहासिक पटल के एक ऐसे समाज सुधारक जिन्होंने अतीत की वर्णव्यवस्था से उद्वेलित होकर वर्तमान भारत में स्वयं को दलितों के हितचिंतक के रूप में प्रस्तुत किया।

भारत राष्ट्र में ब्रिटिश शासन से मिली आजादी के बाद व पूर्व दोनों से ही समाज के अनगिनत समाज सुधारकों ने भारत के दलितों के उत्थान का बीड़ा उठाया। उन्ही में से एक महत्वपूर्ण नाम है माननीय कांशीराम जी का।

कांशी राम जी का जन्म पंजाब के 'रोपुर' जिले के 'ख्वासपुर' गांव में 15 मार्च 1934 को हुआ था। उनका परिवार एक रविदासिया परिवार था, पिता का नाम 'हरी सिंह' और माँ का नाम 'बिसन कौर' था, हालाँकि जब वे पैदा हुए थे उस समय के समाज में दलितों को घृणा के दृष्टि से देखा जाता था। उनके पिता अशिक्षित थे परन्तु अपने बच्चों को पूर्ण रूप से शिक्षित करना चाहते थे। उनके दो भाई और चार बहने थीं। वे अपने भाई-बहनो में सबसे बड़े और सबसे ज्यादा शिक्षित थे। उन्होंने बैचलर ऑफ साइंस (बी एस सी) की उपाधि अर्जित की थी, इसके बाद सन 1958 में कांशी राम 'डिफेन्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट आर्गेनाइजेशन (डी. आर. डी. यो.)' विभाग में 'सहायक वैज्ञानिक' के पद पर नियुक्त हुए।

कांशी राम जी समाज में दलितों के प्रति किये गए अत्याचारों से काफी आहत रहते थे, इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए जब सन 1965 में 'बी. आर. अम्बेडकर ' के जन्मदिन पर सार्वजनिक अवकास को रद्द करने के कारण का विरोध किया। कांशी राम, बी. आर. अम्बेडकर के जीवन से काफी प्रभावित थे, इसी कारण उन्होंने अपनी नौकरी छोड़ दी और अपने अंतर्मन की आवाज पर अमल करते हुए पीड़ित दलित समाज के उत्थान का बेडा उठाया। उन्होंने भारत के जातिवाद के बारे में रिसर्च की और उसके बाद अपना पूरा जीवन सिर्फ दलितों की सेवा में बिताया।

उन्होंने दलित हितों के रक्षा करने के लिए कदम आगे बढ़ाने शुरू किये और इसी कड़ी में एक सहकारी के साथ मिलजुलकर अनुसूचित जाती, पिछड़ी जाती और अलप जाती के कल्याण के लिए एक संस्था की स्थापना की जिसका नाम 'बैकवर्ड एंड माइनॉरिटी कम्युनिटीज एम्प्लोयी फेडरेशन' रखा, इसका पहला कार्यालय डिल में 1976 में खुला। उन्होंने 'बुद्धिस्ट रिसर्च सेंटर' की भी स्थापना की।

माननीय कांशी राम जी ने दलितों के हितों के लिए बहुत सारे आंदोलन और पदयात्रा की। 1984 में 'बामसेफ' के नाम से समनांतर 'दलित शोसित समाज संघर्ष समिति' का गठन किया। उन्होंने भारत सरकार और उसकी नीतियों का विरोध करने के लिए 1984 में एक राजनैतिक पार्टी कर गठन किया जिसका नाम 'बहुजन समाज पार्टी' है जिसको आज वर्तमान में बहन 'मायावती जी' द्वारा संचालित किया जा रहा है। कांशीराम ने निम्नलिखित पत्र-पत्रिकाएं शुरू की—

प्रमुख पत्र-पत्रिकाएं अनटचेबल इंडिया (अंग्रेजी) आप्रेस्ड इंडियन (अंग्रेजी) बामसेफ बुलेटिन (अंग्रेजी) बहुजन संगठनक (हिन्दी) बहुजन नायक (मराठी एवं बंग्ला) श्रमिक साहित्य शोषित साहित्य दलित आर्थिक उत्थान इकोनोमिक अपसर्ज (अंग्रेजी) बहुजन टाइम्स दैनिक बहुजन एकता

कांशीराम जी पहले ऐसे व्यक्ति थे जिसने शोषित समाज की निष्क्रिय रही राजनितिक चेतना को जागृत किया था। बाबा साहब ने संविधान के माध्यम से शोषित समाज के लिए विकास के लिए बंद दरवाजे खोल दिए थे, लेकिन इस विकास रूपी दरवाजे के पार पहुचाने का कार्य मान्यवर 'कांशीराम' जी ने किया था। बाबा साहब ने दलितों को मनोबल प्राप्त करने का आह्वान किया, कांशीराम जी ने समाज को 'मनोबल' प्राप्त करने के लिए मजबूर किया। कांशीराम जी उन महान पुरषों में से है जिन्होंने व्यक्तिगत 'स्वार्थ' की जगह समाज के लिए कार्य किया, अपनी माँ को लिखी चिठ्ठी में 'मान्यवर कांशीराम' जी ने 'शोषित समाज' को ही अपना परिवार बताया। वर्तमान में समाज को 'कांशीराम' जी जैसे महापुरुषों की अत्यंत आवश्यकता है।

दलितों के हितों के चिंतक के रूप में ख्याति पाने वाले इस महान समाज सुधारक को 1995 में दिल का दौरा पड़ा और 2003 में ब्रेन हैमरेज हुआ, उसके बाद जीवन के संघर्ष की परिभाषा सिखाने वाले इस महान व्यक्तित्व ने आखिर 9 अक्टूबर 2006 को इस दुनिया से विदा ली।

परिपूर्ण प्रेम ही परमात्मा है

प्रेम और निजस्वरूप का ज्ञान हमारी आत्मा की दो आंखे : स्वामी ज्ञान नाथ

साधक सतगुरू से प्रेम करता है तो त्याग और वैराग की सीढ़ियां चढ़नी पड़ती : महामंडलेश्वर

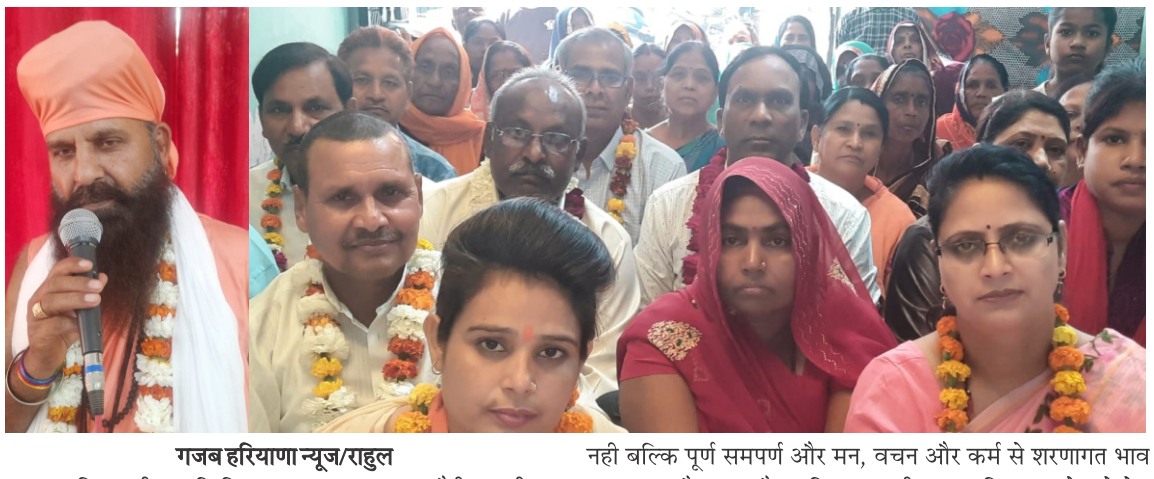

गजब हरियाणा न्यूज/राहुल

कानपुर, निराकारी जागृति मिशन शाखा कानपुर (लुधौरी) यू.पी द्वारा एक विशाल संत सम्मेलन रूहानी सत्संग आयोजित किया। जिसमे नारायणगढ (अम्बाला) हरियाणा से श्री.श्री.1008महामंडलेश्वर एडवोकेट स्वामी ज्ञान नाथ, गद्दीनशीन चेयरमैन एंव राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संत सुरक्षा मिशन ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और दूर-दराज से कार्यक्रम मे आए श्रद्धालुओ को रुहानी प्रवचनो से निहाल किया। स्वामी जी ने निज स्वरूप आत्मा के ज्ञान ध्यान एंव बोध पर विशेष चर्चा की और कहा की प्रेमी जिससे प्रेम करता है उसके प्रति वैरागी हो जाता है। जिससे वह प्रेम करता है उसके उपर तन, मन, धन सबकुछ न्यौछावर कर देता है। वह उसको दिन-रात, स्वास-स्वास पर अनायास ही याद आता रहता है। भूलाने से भी नही भूलाया जाता बल्कि जितना भी भूलाने की कोशिश करो उससे भी ज्यादा याद आता है। प्रेम और निजस्वरूप का ज्ञान हमारी आत्मा की दो आंखे हैं। जब तक दोनों आंखें पुरी तरह से नही खुलती तब तक अध्यात्म में सफलता नही मिलती। यह ओत-पोत एकरस जय श्री प्रियतम निर्गुण निराकार एवं सर्वाधार परमात्मा और सतगुरू भी सच्चे और निस्वार्थ प्रेम के वशीभूत हो जाता है और साधक को हमेशा अंगसंग होने का प्रत्यक्ष में एहसास करवा देता है। सतगुरू के प्रति प्रेम भक्ति में किसी प्रकार की चतुराई, दिखावट,बनावट, सजावट और ईधर-उधर से प्राप्त की गई अनाप-शनाप जानकारियां नही बल्कि पूर्ण समपर्ण और मन, वचन और कर्म से शरणागत भाव काम आता है। त्याग वैराग सिखाया नही जाता बल्कि जब प्रेम से प्रेम सराबोर हो जाता है तो त्याग वैराग अपने आप हो जाता है। जब साधक सतगुरू से प्रेम करता है तो त्याग और वैराग की सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। प्रेम के मार्ग में साधक कई बार गिरता है और उठता है परंतु जब प्रेम परवान चढ़ जाता है तो साधक अपनी मंजिल पर जरूर पंहुच जाता है। सच्चा और निस्वार्थ प्रेम परमात्मा का प्रतिनिधि है और प्रेम परमात्मा का असली प्रतीक है। प्रेम अपने आप में हर तरह से परिपूर्ण होता है। पूर्ण में ना कुछ जोड़ा जा सकता है और ना कुछ घटाया जा सकता है। प्रेम जैसा है वैसा ही रहता है कभी घटता-बढ़ता नही और कभी भी समाप्त नही होता। परिपूर्ण प्रेम ही परमात्मा है। अगर जीवन में सतगुरू का प्रेम नही तो भौतिकवाद में फंसकर जीवन नरकमय हो जाता है। जब प्रेम साधक के अंतःकरण में जागृत हो जाता है तो सोई हुई आत्मिक और मानसिक शक्ति स्वतः ही जागृत हो जाती है। सतगुरू का प्रेम परमात्मा तक पंहुचने की सीढ़ी है। अगर सीढ़ी चढ़ गए तो जय श्री प्रियतम निर्गुण निराकार परमात्मा से मिलन और प्रत्यक्ष में दर्शन-दीदार हो जाएगा अगर नीचे गिर गए तो जीवन में अशांति और अनेकों प्रकार की अटकलें सतांएगी। जितना महत्व शरीर और आत्मा का है उतना महत्व प्रेम का भी है। जहां सतगुरू से सच्चा प्रेम है वहां पर परमात्मा स्वयं ही खींचा चला आता है।

अमृतवाणी

जगत गुरु रविदास जिओ की

सगल भवन के नाइका इकु छिनु दरस दिखाई जी (रहाऊ)

जय गुरुदेव जी

व्याख्या : श्री गुरू रविदास महाराज जी पवित्र अमृतवाणी में फरमान करते हुए कहते है कि सब खंडों ब्रह्माण्डो के मालिक प्रभु जी एक पल के लिए मुझे दर्शन दो जी । सब बंधनों से मुक्त हो कर जीव को प्रभु के आनंद की प्राप्ति होती है । यह जीव प्रभु को मिलने के लिए बहुत व्याकुल हो उठता है और प्रभु के आगे प्रार्थना करता है कि प्रभु जी मुझे एक पल के लिए दर्शन दो जी । ताकि आपके दर्शन कर मेरा मन शान्त हो जाए जी ।

धन गुरुदेव जी

संबंध

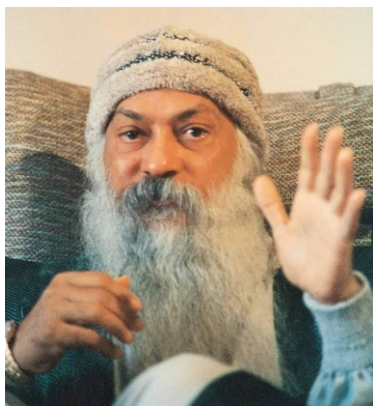

इस संसार के रास्ते पर हम सब अजनबी हैं। घड़ीभर का मिलना है, फिर रास्ते अलग हो जाते हैं। घड़ीभर साथ चल लेते हैं, इसी से संसार बसा लेते हैं। फिर रास्ते अलग हो जाते हैं। जब कोई मरता है, तो उसका रास्ता अलग हो गया। फिर अलविदा देने के सिवाय कोई मार्ग नहीं है। फिर दुबारा तुम उसे खोज भी पाओगे अनंतकाल में—असंभव है।

इसलिए न तो बच्चे सत्य हैं, न पति सत्य है, न पत्नी सत्य है, न भाई, न बहन, न मा, न बाप। संबंध हैं ये, सत्य नहीं। संबंध भी क्षणभंगुर हैं।

फिर पूछा है 'क्या आप सत्य हैं?'

थोड़ा ज्यादा सत्य हूं। जितना पति—पत्नी का संबंध होता है, उससे गुरु—शिष्य का संबंध थोड़ा ज्यादा सत्य है। क्योंकि पति—पत्नी का संबंध देह पर चुक जाता है। या अगर बहुत गहरा जाए तो मन तक जाता है।

गुरु—शिष्य का संबंध मन से शुरू होता है और अगर गहरा चला जाए, तो आत्मा तक जाता है। लेकिन फिर भी कहता हूं : थोड़ा ज्यादा सत्य है। क्योंकि गुरु—शिष्य का संबंध भी परमात्मा तक नहीं जाता; आत्मा तक ही जाता है। और जाना है तुम्हें परमात्मा तक, इसलिए एक दिन गुरु को भी छोड़ देना पड़ता है। आत्मा की सीमा आयी, उस दिन गुरु गया।

इसलिए बुद्ध ने कहा है. अगर मैं भी तुम्हें राह पर मिल जाऊं, तो मेरी गरदन काट देना। राह पर मिल जाऊं अर्थात अगर तुम्हारे और तुम्हारे परमात्मा के बीच में आने लगू तो मुझे हटा देना।

गुरु द्वार बने, तो ठीक। द्वार का मतलब ही होता है कि उसके पार जाना होगा। द्वार पर कोई रुका थोड़े ही रहता है! द्वार पर कितनी देर खड़े रहोगे? द्वार कोई रुकने की जगह थोड़े ही है। उससे तो प्रवेश हुआ और आगे गए।

तो गुरु द्वार है। इसलिए नानक ने ठीक कहा, अपने मंदिर को गुरुद्वारा कहा। बस, गुरुद्वारा ही है गुरु। वह द्वार है। उससे पार चले जाना है। गुरु इशारा है, जिस तरफ इशारा है, वहा चले जाना है।

इसलिए गुरु भी थोड़ा ज्यादा सत्य है, लेकिन असली सत्य तो परमात्मा है। तो यहां तीन बातें हो गयीं सांसारिक संबंध, आध्यात्मिक संबंध, पारमार्थिक संबंध। सांसारिक संबंध—पति, पत्नी, बच्चे। बड़े ऊपर के हैं, शरीर तक जाते हैं। बहुत गहरे जाएं, तो मन तक।

आध्यात्मिक संबंध—शिष्य और गुरु का संबंध। या कभी—कभी बहुत गहरे प्रेम में उतर गए प्रेमियों का संबंध। शुरू होता है मन से। अगर गहरा चला जाए, तो आत्मा तक पहुंच जाता है।

और फिर कोई संबंध नहीं, तुम अकेले बचो। तुम्हारे स्वात में ही परमात्मा आविर्भूत होता है, तुम ही परमात्मा हो जाते हो। फिर कोई संबंध नहीं है। परमात्मा और आदमी के बीच कोई संबंध नहीं हो ती—असंबंध है। क्योंकि परमात्मा और आदमी दो नहीं हैं।

तो तू पूछती है 'क्या आप सत्य हैं?'

थोड़ा ज्यादा, ललित और बच्चों से। लेकिन परमात्मा और तेरे संबंध से थोड़ा कम।

फिर पूछा है. 'क्या धर्म सत्य है?'

धर्म सत्य है। धर्म का अर्थ है : असंबंधित दशा। धर्म का अर्थ है अपने स्वभाव में थिर हो जाना, अपने में डूब जाना। कोई बाहर न रहा। किसी तरह का संबंध बाहर न रहा। गुरु का संबंध भी न रहा।

वही है गुरु, जो तुम्हें उस जगह पहुंचा दे, जहां गुरु से भी मुक्ति हो जाए। उस गुरु को सदगुरु कहा है। उस गुरु को मिथ्या—गुरु कहा है, जो तुम्हें अपने में अटका ले। जो कहे, मेरे से आगे मत जाना। बस, यही तुम्हारा पड़ाव आ गया, मंजिल आ गयी। अब आगे नहीं। जो तुम्हें अपने में अटका ले, वह मिथ्या—गुरु। जो तुम्हें अपने से पार जाने दे, जो सीढ़ी बन जाए, द्वार बन जाए, तुम चढ़ो और पार निकल जाओ, वही सदगुरु।

ओशो

मूर्तियां मत बनाना : बुद्ध

बुद्ध ने कहा मेरी मूर्तियां मत बनाना... मनुष्य ने अगर उनकी मूर्तियां न बनाई होती तो बड़ी भूल हो जाती।

बुद्ध ने कहा मेरी पूजा मत करना... यदि हमने बुद्ध की पूजा न की होती तो हमसे बड़ी चूक हो जाती।

भगवान बुद्ध ने कहा मेरे वचनों को मत पकड़ना ,जो कहा उसे जीवन में उतारना... यदि बुद्ध के वचनों को लिख न लिया होता तो मनुष्य जाति हमेशा के लिए कंगाल रह जाती।

जिन्होंने बुद्ध की मूर्तियां बनाई। वे ध्यान, प्रेम, करुणा और श्रद्धा से भरे हुए थे उन्हें लगा कि बुद्ध के चरण चिन्ह कहीं खो ना जाए। वे चाहते थे कि बुद्ध के चरण चिन्हों की छाया अनंत काल तक बनी रहे। और ऐसा ही हुआ। विरोधियों के कारण भारत में बुद्ध के चरण चिन्ह सैकड़ों साल तक जमीन में दफन कर दिए गए। आज खुदाई में तथागत के जीवन के एक-एक दिन की घटना के प्रमाण मिल रहे हैं। आज फिर से वचन गूंज रहे हैं।

उन्होंने बुद्ध की आज्ञा तोड़ कर भी बुद्ध की आज्ञा ही मानी। भगवान ने कहा मेरी मूर्ति मत बनाना, मेरी पूजा मत करना लेकिन सच तो यह है बुद्ध ही मूर्ति बनाने की योग्य है, बुद्ध ही पूजा के योग्य है।

तथागत बुद्ध की मूर्तियां बनी तो ऐसे बनी कि सारा संसार भर गया। अद्भुत मूर्तियां बनी। यदि मूर्तियों को कोई गौर से देखें तो सारी कहानी समझ में आती है। सत्य का मार्ग मिल जाता है। मनुष्य के भीतर के सारे ताले खुल जाते हैं। बुद्ध पत्थर जैसे कठोर हैं और फूल जैसे कोमल और शीतल।

इतिहास में ऐसा कोई युगपुरुष नहीं हुआ जिन्होंने कहा मेरे शब्दों को आग में जला देना। शास्त्रों में मत पड़ना, ध्यान और आचरण को उतारना समझना।

यदि बुद्ध के वचनों को ग्रंथों में लिखा न होता तो पूरे संसार में नहीं फैल पाता। कई नालंदा जलाने के बाद कुछ नहीं बचता। लेकिन संसार के धम्म देशों में ये ग्रंथ बचकर जिंदा रहे. उसी का परिणाम है कि ढाई हजार साल बाद बुद्ध फिर से इस धरा पर लौट आए हैं। जिन्होंने भगवान के वचनों को संभाल कर रखा, उन्होंने ही बुद्ध को समझा।

वंदन है, नमन है उन्हें जिन्होंने बुद्ध की आज्ञा तोड़कर उनकी मूर्तियां बनाई, सम्यक सम्बुद्ध की पूजा की। तथागत के वचनों को याद रखकर, संकलित कर, लिखकर, संजोकर हजारों साल तक संभाल कर रखा। ऐसा न होता तो आज मानव जगत ध्यान, प्रेम, करुणा, मैत्री एवं मानव कल्याण के मार्ग से वंचित रह जाता. यह जगत दरिद्र रह जाता।

भवतु सब्बं मंगल। सबका कल्याण हो। सभी प्राणी सुखी हो

प्रस्तुति: डॉ. एम एल परिहार, जयपुर.

किसान की समस्या

सालों पहले गुमथा गांव में रहने वाला एक किसान काफी दुखी था। वो अपनी जीवन की छोटी-छोटी परेशानियों को लेकर उदास रहता था और अपने दुख के बारे में लोगों को बताता फिरता था। एक दिन उसे किसी ने सलाह दी कि तुम गौतम बुद्ध के पास चले जाओ, वे तुम्हारी समस्याओं का कोई-न-कोई हल जरूर निकल देंगे। उस व्यक्ति की बात सुनते ही दूसरे दिन वो किसान सीधे महात्मा बुद्ध के पास पहुंच गया।

गौतम बुद्ध के पास पहुंचकर उन्हें प्रणाम करते हुए उसने बताया कि मैं एक किसान हूं और मैं खेती करके जीवनयापन करता हूं। मैं यहां अपनी समस्याओं का समाधान लेने के लिए आया हूं। दरअसल, कई बार हमारी फसल अच्छी होती है, तो कभी बिल्कुल भी नहीं होती। इससे मैं बहुत परेशान हो जाता हूं।

इतना कहने के बाद किसान ने आगे कहा कि मेरी पत्नी है और वो मुझसे बेहद प्रेम करती है, पर कभी-कभी वो मुझे बहुत परेशान करती है। उससे मैं तंग आ गया हूं और कभी-कभी लगता है कि अगर वो मेरे जीवन में नहीं आती, तो मैं कितने अच्छे से रहता। इस तरह वह अपनी सारी परेशानियां महात्मा बुद्ध को सुनाता रहा और वो उसकी बातें सुनते रहे। जबतक किसान बात कर रहा था, तबतक गौतम बुद्ध एक शब्द भी नहीं बोले। वो बस ध्यान से किसान की ही बातें सुन रहे थे।

परेशानी बताते हुए किसान बोलता है कि मेरा एक बच्चा भी है। वो है तो काफी अच्छा, पर कई बार मुझे परेशान करता है और मेरा कहना नहीं मानता। उसके ऐसे व्यवहार से मुझे लगता है कि वो मेरा बच्चा नहीं है। ऐसा कहते हुए किसान अपनी सारी परेशानी को बताता गया। इस तरह किसान ने अपने जीवन का सबकुछ, जो उसे सताता था और दुखी करता था, वो गौतम बुद्ध को बता दिया।

अब किसान के पास उन्हें बताने के लिए कुछ भी नहीं बचा और उसका मन काफी हल्का हो गया। महात्मा बुद्ध से सबकुछ कहने के बाद वो उनसे अपनी परेशानियों के समाधान की उम्मीद लगाए बैठ था। काफी देर तक गौतम बुद्ध के जवाब का इंतजार करने के बाद ब्रेसब्र होकर किसान ने ऊंची आवाज में महात्मा बुद्ध से पूछा, 'क्या आप मेरी समस्याओं को लेकर कुछ नहीं कहेंगे?'

तब गौतम बुद्ध बोले, ' मैं तुम्हारी किसी तरह से भी मदद नहीं कर सकता।' किसान ने महात्मा बुद्ध से ऐसे जवाब की उम्मीद नहीं की थी। वो उनका जवाब सुनकर हैरान हो गया। उसे अपने कानों पर भरोसा नहीं हो रहा था। उसने भगवान बुद्ध से पूछा कि ये आप क्या बोल रहे हैं? क्या आप मेरी समस्याओं का समाधान नहीं कर सकते? मैंने सुना है कि आप सभी की समस्याओं का समाधान करते हैं, तो मेरी समस्याओं का क्यों नहीं करेंगे?

महात्मा बुद्ध इस बात पर किसान से कहते हैं कि आपके जीवन में जितनी कठिनाइयां हैं, उतनी हर किसी के जीवन में होती है और सबको अपनी छोटी समस्याएं भी बड़ी लगती हैं। आपके जीवन में कोई ऐसी समस्या नहीं है, जो दूसरों को न हो। हर व्यक्ति को अपने जीवन में सुख-दुख का सामना करना पड़ता है। हम चाहें जितनी भी कोशिश कर लें, लेकिन हमारे जीवन में सुख और दुख दोनों आएंगे-ही-आएंगे। कई बार हमारे अपने हमें बेगाने लगने लगते हैं, तो कई बारी बेगाने हमें अपने लगने लगते हैं। सभी का जीवन ऐसी समस्याओं से घिरा हुआ है, जिसका कोई समाधान नहीं है।

अगर किसी के जीवन से एक समस्या जाती है, तो दूसरी समस्या आ जाती है। ऐसे में तुम एक समस्या का आज समाधान कर लोगे, तो तुम्हें कल दूसरी समस्या का सामना करना पड़ेगा। यही जीवन का एक अटल सत्य है। बुद्ध की बातें सुनकर किसान को गुस्सा आ जाता है और वो उन्हें बोलता है कि लोग आपको महात्मा कहते हैं। मैंने लोगों से ये भी सुना है कि आप सबकी परेशानी दूर करते हैं, पर मेरी समस्या का निवारण करने के बजाय आप मुझे फिजूल की बातें बता रहे हैं। मैं आपके पास बहुत उम्मीद लेकर आया था, पर अब मुझे लग रहा है कि आपके पास मेरा आना व्यर्थ हुआ। मैंने जो भी आपके बारे में सुना था, वो सब झूठ है।

महात्मा बुद्ध को इतना कहकर किसान वहां से जाने लगता है। तभी उससे भगवान बुद्ध कहते हैं कि तुमने जो समस्याएं बताई हैं, उनका मैं समाधान नहीं कर सकता पर मैं तुम्हारी दूसरी परेशानी का निवारण कर सकता हूं। बुद्ध की बातें सुनकर किसान हैरान हो गया और बुद्ध से कहता है कि मैंने जो समस्या बताई उसके अलावा मुझे कोई और समस्या नहीं है और है भी तो मुझे उसका ज्ञान क्यों नहीं है।

बुद्ध उनसे कहते हैं कि आपकी समस्या यह है कि आप नहीं चाहते हैं कि आपके जीवन में किसी तरह की समस्या हो। खुद को किसी तरह की समस्या न हो, ये सोच रखना ही दूसरी समस्याओं का कारण बनता है। आपको यह स्वीकार कर लेना चाहिए कि हर व्यक्ति के जीवन में किसी-न-किसी तरह की समस्या होती है। ये सोचना छोड़ दो कि आप इस दुनिया के सबसे दुखी इंसान हो।

आपको अपने आसपास के लोगों को देखना चाहिए, क्योंकि बाकी लोग भी किसी-न-किसी चीज से परेशान और दुखी हैं। जीवन में सुख और दुख आकर ही रहेंगे, उसे कोई नहीं बदल सकता। बस तुम्हें दोनों ही स्थिति में खुद को काबू में रखना होगा। इससे दुख का असर तुमपर ज्यादा नहीं होगा।

ऐसे में तुम्हें यह सोचना छोड़ना होगा कि तुम्हारे जीवन में समस्या न हो। तभी तुम हर समस्या का आसानी से सामना कर पाओगे। बुद्ध की बातें सुनकर किसान उनके पैरों पर गिर गया और उनसें माफी मांगने लगा। वो समझ चुका था कि महात्मा बुद्ध उससे क्या कहना चाह रहे हैं।

कहानी से सीख

हमें अपनी छोटी-छोटी परेशानियों के लिए किसी से शिकायत नहीं करनी चाहिए, बल्कि उन परेशानियों का खुद से सामना करना चाहिए।

गांव-किसान को मजबूती देने वाला है बजट

प्रदेश के 1000 गांवों में ई-पुस्तकालय तथा 1000 पार्क व व्यायामशाला स्थापित करने का लक्ष्य : राज्यमंत्री कमलेश ढांडा

गजब हरियाणा न्यूज

कैथल, महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री कमलेश ढांडा ने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने गांव-किसान को मजबूत करने के लक्ष्य के साथ बजट पेश किया है। उन्होंने कहा कि इस साल न केवल ग्रामीण विकास को रफ्तार दी जाएगी, बल्कि किसानों की आर्थिक स्थिति को बेहतर करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जाएंगे।

रविवार को अपने आवास पर राज्यमंत्री कमलेश ढांडा ने जन समस्याएं सुनी व अधिकारियों को उनके समाधान के लिए आवश्यक निर्देश दिए। महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री कमलेश ढांडा ने कहा कि पंचायतों में विकास कार्यों को रफ्तार देने के लिए बजट में 70 प्रतिशत की बढोतरी की गई है। यही नहीं एक हजार गांवों में ई पुस्तकालय स्थापित करने, एक हजार पार्क व व्यायामशाला स्थापित करने, 468 ग्राम पंचायत भवनों में जिम व 780 महिला संस्कृति केंद्र स्थापित करते हुए ग्रामीण क्षेत्र में सर्वांगीण विकास का लक्ष्य रखा गया है। गांवों में रात्रि प्रकाश की व्यवस्था बेहतर करने से लेकर कचरा निस्तारण प्लांट स्थापित करने की घोषणा की गई है। उन्होंने सरपंचों से आह्वान किया कि वह गांव की मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने के मकसद से केंद्र-प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ उठाएं तथा विकास कार्यों को सुनियोजित तरीके से करवाएं।

महिला एवं बाल विकास मंत्री कमलेश ढांडा ने कहा कि प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के मकसद से 20 हजार एकड़ पर आर्गेनिक खेती की जाएगी, जिसके लिए किसानों को प्रेरित किया जाएगा। कृषि कार्यों में तकनीक को बढ़ावा देने के लिए युवा किसानों को ड्रोन संचालन का प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की गई है। धान की बिजाई के दायरे में दो लाख एकड़ जमीन लाने से न केवल तकनीक में सुधार होगा, बल्कि जल संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि ढैंचा खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने 80 प्रतिशत लागत वहन करने का निर्णय लिया है, वहीं मूंग की खेती को बढ़ावा दिया जाएगा, ताकि किसान नकदी फसल की तरफ अग्रसर हों।

तनाव मुक्त होकर नकल रहित परीक्षा दें परीक्षार्थी : डीसी

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की वार्षिक परीक्षाएं कल से

गजब हरियाणा न्यूज

पानीपत, उपायुक्त सुशील सारवान ने सोमवार 27 फरवरी से आरंभ हो रही हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की दसवीं व बारहवीं कक्षाओं की वार्षिक परीक्षाओं के मद्देनजर परीक्षार्थियों, शिक्षकों व अभिभावकों को आगामी वार्षिक परीक्षाओं की शुभकामनाएं देते हुए नकल रहित परीक्षा सुनिश्चित कराने का आह्वान किया है। उन्होंने परीक्षार्थियों से आह्वान किया कि वे तनाव मुक्त होकर नकल रहित परीक्षा दें। उन्होंने विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी परीक्षार्थी बिना किसी तनाव व डर के परीक्षाएं दें। मेहनत के साथ अपनी तैयारी करें और शांत मन से परीक्षा को पूरा करें।

डीसी सुशील सारवान ने कहा कि परीक्षाओं में नकल करना कानूनी व नैतिक तौर पर गलत है । इसे रोकने के लिए बाकायदा बोर्ड और जिला प्रशासन द्वारा उडऩदस्ते भी लगाए गए हैं। विद्यार्थियों को नकल न करने का संकल्प लेना चाहिए।

जी-20 का पहला कार्यक्रम हरियाणा में होना हम सबके लिए सौभाग्य की बात : चौटाला

गजब हरियाणा न्यूज

पानीपत, प्रदेश के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने रविवार को जेजेपी के प्रदेश संगठन सचिव देवेंद्र कादयान के निवास पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि जी-20 का पहला कार्यक्रम हरियाणा में होना हम सबके लिए सौभाग्य की बात है। इसके लिए प्रदेश सरकार पूरी तैयारियां कर रही है।

यह पहला मौका है जब दुनिया भर के जी-20 देशों के प्रतिनिधि हरियाणा में पधारेंगे। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ताओं ने संगठन को आगे बढ़ाने के लिए बहुत ही अच्छा काम किया है, इसे और आगे बढ़ाया जाएगा। एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि वह हमेशा तथ्यों के साथ बात करते हैं। बिना तथ्यों के उन्होंने कभी भी कोई जवाब नहीं दिया है। जजपा नेता देवेंद्र कादियान ने अपने निवास स्थान पर पहुंचने पर उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला का स्वागत किया। जिला प्रशासन की ओर से एसडीएम वीरेंद्र कुमार ढुल ने उनका बुके देकर स्वागत किया।

राष्ट्रीय हिन्दी पाक्षिक समाचार पत्र
गजब हरियाणा
पत्रकारिता के इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें :-
+91-92551-03233

स्वच्छ जल, स्वच्छ मन निरंकारी सतगुरु द्वारा 'प्रोजेक्ट अमृत' का शुभारंभ

जल की स्वच्छता के साथ मन की स्वच्छता भी आवश्यक : माता सुदीशा

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर । आजादी के 75वें 'अमृत महोत्सव' के तत्वावधान् में सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता जी के पावन कर कमलों द्वारा आज प्रात: 8 बजे 'अमृत परियोजना' के अंतर्गत 'स्वच्छ जल स्वच्छ मन' का शुभारम्भ बॉडी माजरा यमुना पुल से लेकर ग्रे पेलिकन गेस्ट हाउस तक यमुना घाट की सफाई की गई। इसके साथ ही सतगुरु माता जी के पावन आशीर्वाद से यह परियोजना समूचे भारतवर्ष के 1100 से अधिक स्थानों के 730 शहरों, 27 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में विशाल रूप से एक साथ आयोजित की गई। बाबा हरदेव सिंह जी की शिक्षाओं से प्रेरणा लेते हुए संत निरंकारी मिशन द्वारा निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के दिव्य निर्देशन में 'अमृत परियोजना' का आयोजन हुआ।

इस अवसर पर संत निरंकारी मिशन के सभी अधिकारीगण, केन्द्रीय एवं राज्य सरकार के मंत्री, गणमान्य अतिथि तथा हजारों की संख्या में स्वयंसेवक और सेवादल के सदस्य सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण संत निरंकारी मिशन की वेबसाईट के माध्यम से किया गया जिसका लाभ देश एवं विदेशों में बैठे सभी श्रद्धालुओं एवं निरंकारी भक्तों ने प्राप्त किया।

इस परियोजना का शुभारम्भ करते हुए सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने जल की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि परमात्मा ने हमे यह जो अमृत रूपी जल दिया है तो हम सभी का कर्तव्य बनता है कि हम सब उसकी उसी तरह संभाल करे। स्वच्छ जल के साथ साथ मनों का भी स्वच्छ होना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि इसी भाव के साथ हम संतो वाला जीवन जीते हुए सभी के लिये परोपकार का ही कार्य करते है।

इस कार्यक्रम की प्रबंध व्यवस्था बहुत ही उत्तम रूप से की गई जिसमें सभी सेवादारों एवं आंगतुको के बैठने, जलपान, पार्किंग, मेडिकल इत्यादि का समुचित प्रबंध किया गया। अमृत प्रोजेक्ट के मध्य सुरक्षा व्यवस्था के अंतर्गत विभिन्न जल निकायों हेतु समूचे देश में दिये गये दिशा निर्देशों का उचित रूप से पालन किया गया जिसमे रेड जोन सभी के लिए पूर्णत: वर्जित था। कार्यक्रम का मुख्य स्थल येलो जोन था और इसके अतिरिक्त ग्रीन जोन में सुरक्षा हेतु महिलाओं एवं बालको के प्रवेश की अनुमति दी गयी।

इस परियोजना में अधिक से अधिक युवाओं का सक्रिय योगदान रहा। कार्यक्रम के मध्य केवल पर्यावरण अनुकूल उपकरणों का ही प्रयोग किया गया। प्लॉस्टिक की बोतलों, थर्माकॉल इत्यादि का प्रयोग सभी के लिए पूर्णत: वर्जित था।

कार्यक्रम के समापन पर सम्मिलित हुए अतिथि गणों ने मिशन की भूरी भूरी प्रशंसा की और साथ ही निरंकारी सतगुरु माता जी का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मिशन ने जल संकट से बचाव हेतु 'जल संरक्षण' एवं 'जल निकायो' की स्वच्छता जैसी इस कल्याणकारी परियोजनाओं को क्रियान्वित स्वरूप दिया है जो निश्चित रूप से समाज के उत्थान हेतु एक अहम कदम है। संत निरंकारी मिशन समय समय पर ऐसी ही अनेक परियोजनाओं में सक्रिय रूप से सम्मिलित रहा है जिनमें विशेषत: पर्यावरण संरक्षण हेतु 'वननेस वन परियोजना' और उसके उपरांत जल संरक्षण हेतु 'अमृत प्रोजेक्ट' प्रमुख है।

असंध ब्लॉक के गांव ठरी की बेटी माफी ने वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए किया क्वालीफाई, इंटरनेशनल चैंपियनशिप अमेरिका में किया जाएगा आयोजित

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने दी बधाई

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

करनाल । मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने रविवार को करनाल क्लब में जन संवाद कार्यक्रम के दौरान जम्मू कश्मीर के गुलमर्ग में आयोजित खेलो इंडिया विंटर गेम्स प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर गोल्ड मेडल जीतने पर असंध ब्लॉक के गांव ठरी की बेटी माफी कुमारी को मेडल पहनाकर आर्शीवाद दिया तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस मौके पर जिला समाज कल्याण अधिकारी सत्यवान ढिलौड, एआईपीआरओ रघुबीर गागट, ब्लॉक समिति सदस्य विनोद, संजीव जलमाना, माफी के पति प्रदीप चौहान, बजिन्द्र तथा कमल आठवाल ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। इस अवसर पर घरौंडा के विधायक हरविन्द्र कल्याण, मीडिया कोर्डिनेटर जगमोहन आनंद, भाजपा जिलाध्यक्ष योगेन्द्र राणा भी उपस्थित रहे।

बता दें कि गोल्ड मेडलिस्ट माफी कुमारी ने बताया कि खेलो इंडिया के तीसरे संस्करण में बोब्सलेज एंड स्केल्टन विंटर गेम्स के तीसरे संस्करण का आयोजन 10 से 14 फरवरी तक जम्मू एंड कश्मीर के गुलमर्ग में आयोजन किया गया जिसमे मुझे खेलने का शोभाग्य प्राप्त हुआ। अपनी जीत का श्रेय अपने पति को देते हुए माफी ने कहा की इस गोल्ड मेडल को प्राप्त करने में मेरे पति का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने मेरा हर पथ पर साथ दिया और हौसला बढ़ाया। खिलाड़ी के पति ने बताया कि प्रतियोगिता से पहले माफी ने लद्दाख और जम्मू कश्मीर में विंटर कैंप के माध्यम से तैयारी करते हुए कड़ी मेहनत की जिसकी बदौलत आज गोल्ड मेडलिस्ट बन पाई और इसने नेशनल चैंपियनशिप तथा खेलो इंडिया गेम्स दोनों में स्वर्ण पदक हासिल किए और दक्षिण कोरिया में होने वाली इंटरनेशनल चैंपियनशिप तथा अमेरिका में होने वाले वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई भी किया, जिससे परिवार समाज और प्रदेश के साथ देश में नाम कमाया।

पानी की जरूरत होने पर ही नलों चलाए : डीसी

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर । फरवरी-जिलाधीश राहुल हुड्डा ने सभी जिलावासियों से अपील की है कि वे पानी के नलों को जरूरत होने पर ही चलाए और जब पानी की जरूरत न हो तो नलों की टूटियों को अवश्य बंद कर दें। उन्होंने स्पष्ट किया कि पानी की बूंद-बूंद कीमती है और पानी का संरक्षण बहुत जरूरी है।

जिलाधीश ने आगे बताया कि प्राय: देखने में आता है कि बहुत से नल बेकार बहते रहते हैं, जिनसे उनका पानी बहकर सडकों, गलियों पर आता है और सडकों व गलियों को नुकसान पहुंचाता है व टूट कर खराब होती है इससे लोगों को आवागमन में असुविधा भी होती है।

उन्होंने बताया कि बहुत से व्यक्ति टूटियों पर पाईप लगाकर अपने वाहनों जैसे कारों व स्कूटरों/मोटर साइकिलों आदि को धोते हैं इससे भी पानी की काफी बर्बादी होती है। उन्होंने लोगों से यह भी अपील की कि कोई भी व्यक्ति नलों पर टुलू पम्प न लगाएं। इससे दूसरे लोगों को पानी के लिए असुविधा होती है।

राजस्थानी लोक वाद्ययंत्रों की स्वर लहरियों के बीच शुरु हुआ गांधी शिल्प बाजार

विधायक सुभाष सुधा ने किया उद्घाटन

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, किसी भी प्रदेश की संस्कृति तथा परम्पराओं की रक्षा प्रदेश के लोक कलाकार तथा शिल्पकार करते हैं। जहां एक ओर लोक कलाकार अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से युवा पीढ़ी को संस्कृति से जोड़े रखते हैं, वहीं प्रदेश के शिल्पकार अपनी हस्तशिल्पकला के द्वारा पारम्परिक तथा पुरातन धरोहर को आमजन तक पहुंचाने का सराहनीय कार्य करते हैं। गांधी शिल्प बाजार के माध्यम से देशभर से आए सौ शिल्पकारों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी कुरुक्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। ये कहना था थानेसर विधायक सुभाष सुधा का। ये शब्द उन्होंने कला कीर्ति भवन के परिसर में लगे गांधी शिल्प बाजार के उद्घाटन के दौरान कहे। हरियाणा कला परिषद के कला कीर्ति भवन में हस्त शिल्प विकास आयुक्त वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार तथा महिला शिक्षण एवं प्रशिक्षण केंद्र सुडिया कुंआ, गोरखपुर के संयुक्त सहयोग से 10 दिवसीय गांधी शिल्प बाजार का बाजार का शुभारम्भ रविवार को विधायक सुभाष सुधा ने रिबन काटकर किया। इस मौके पर हस्तशिल्प वस्त्र मंत्रालय से सहायक निदेशक ए. के. मीणा, महिला शिक्षण एवं प्रशिक्षण केंद्र सुडिया कुंआ से शिल्पमेला के आयोजक कुंदन सिंह तथा हरियाणा कला परिषद के कार्यालय प्रभारी धर्मपाल गुगलानी ने पुष्पगुच्छ भेंटकर विधायक सुभाष सुधा का स्वागत किया, वहीं हरियाणा कला परिषद के निदेशक संजय भसीन ने आसाम का गामोछा अंगवस्त्र से विधायक का सम्मान किया। छह मार्च तक चलने वाले गांधी शिल्प बाजार में जहां समूचे भारत के 100 शिल्पकारों ने अपनी कृतियों की प्रदर्शनी लगाई, वहीं उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, पटियाला के बहरुपिये कलाकार, राजस्थानी कच्ची घोड़ी तथा स्टिक वाक्कर कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से पर्यटकों का मन मोहा। उद्घाटन अवसर पर विधायक सुभाष सुधा भी कलाकारों संग लोकवाद्ययंत्रों की स्वर लहरियों पर झूमने से स्वयं को नहीं रोक पाये। इस मौके पर हरियाणा कला परिषद के मीडिया प्रभारी एवं मेले के नोडल अधिकारी विकास शर्मा, ललित कला समन्वयक सीमा काम्बोज, रंगशाला प्रबंधक मनीष डोगरा, रजनीश भनौट, नीरज सेठी देवी दत्त, राजेश कुमार, सपना आदि उपस्थित रहे।

महिलाओं को भाया भागलपुर का सिल्क
बच्चों ने खरीदे खिलौने

दस दिवसीय शिल्प मेले में उद्घाटन के बाद से ही स्थानीय लोगों का तांता लगा रहा। जयपुर के दाबू प्रिंट, चित्रकूट के खिलौने, कलकत्ता के फलावर, फिरोजाबाद का ग्लास, भागलपुर का सिल्क तथा बनारस की साड़ियों की दुकानों के साथ साथ आसाम के केन बेम्बों, गुजराज का हैंडी क्राफट, हरियाणा का टेराकोटा, आगरा का लैदर लोगों को अपनी ओर आर्कषित करने में कामयाब रहा। भागलपुर के सिल्क की दुकान पर जहां महिलाएं खरीदारी करती नजर आई वहीं बच्चों को खिलौने पसंद आए। इसके अतिरिक्त स्थानीय लोगों ने संगीत की स्वर लहरियों पर जमकर नृत्य किया।

पेपरमैशी चित्र प्रदर्शनी और हैंण्डीक्राफट प्रदर्शनी ने बढ़ाई मेले की शोभा

हरियाणा कला परिषद के सौजन्य से हिसार के कलाकार राजेश जांगड़ा द्वारा तैयार पेपरमैशी प्रदर्शनी तथा हैण्डीक्राफट प्रदर्शनी ने सभी को अपनी ओर आकर्षित किया। ललित कला विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए स्कैच जहां लोगों को अपनी ओर खींचने में कामयाब रहे, वहीं पर्यटक मेले के दौरान ही अपने चित्र बनवाते नजर आए।

कला कीर्ति भवन के नामकरण दिवस पर
01 मार्च से शुरु होगा नाट्य रंग उत्सव

हरियाणा कला परिषद के मीडिया प्रभारी तथा दस दिवसीय मेले के नोडल अधिकारी विकास शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि 26 फरवरी से शुरु हुए गांधी शिल्प मेला के साथ-साथ हरियाणा कला परिषद तथा उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में छह दिवसीय नाट्य रंग उत्सव का भी कला कीर्ति भवन की माधव रंगशाला में आयोजन किया जाएगा। जिसमें 01 मार्च को कला कीर्ति भवन के नामकरण दिवस के अवसर पर उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, पटियाला की ओर से मोहित कुमार व दल द्वारा पंजाबी लोक नृत्यों व गायकी पर आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। 02 मार्च को मण्डी हिमाचल प्रदेश से अयाज खान के निर्देशन में नाटक भगत सिंह की वापसी का मंचन होगा। इसके अलावा 3 मार्च को मध्यप्रदेश के कलाकारों द्वारा संदीप श्रीवास्तव के निर्देशन में नाटक निषादराज गुह, 4 मार्च को नैनीताल से सुभाष चंद्रा के निर्देशन में नाटक काली बर्फ, द डार्क वैली, 5 मार्च को हास्य नाटक पति गए री काठियावाड़ अजीत चैधरी के निर्देशन में स्पर्श नाट्य रंग दिल्ली के कलाकार प्रस्तुत करेंगे तथा नाट्य रंग उत्सव का समापन श्याम कुमार के निर्देशन में नाटक कुछ तुम कहो कुछ हम कहें से होगा। प्रतिदिन सायं साढ़े छह बजे से देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले कलाकारों के बेहतरीन नाटकों का मंचन कुरुक्षेत्रवासियों को देखने को मिलेगा।

Eagle Group Property Advisor

HUDA | ansals HERMAN CITY HUDA SECTOR-31, KURUKSHETRA | ansal API Building Lifestyles since 1967 | JINDAL GLOBAL CITY

पवन लोहरा 9992680513 | पवन सरोहा 94165-27761 | राजेंद्र बोडला 99916-55048 | अंतरिक्ष 94666-98333

हर प्रकार की जमीन जायदाद, मकान व दुकान खरीदने व बेचने के लिए संपर्क करें

1258, सैक्टर-4, नजदीक हुड्डा ऑफिस कुरुक्षेत्र

हुडा एक्सपर्ट

केशव ढांडा केसरी का गजब हरियाणा कार्यालय में स्वागत किया

ग्लोबल रविदासिया वेलफेयर फाउंडेशन, यूरोप के चैयरमैन केशव ढांडा ने जरनैल सिंह रंगा को विशेष प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । शुक्रवार को ग्लोबल रविदासिया वेलफेयर फाउंडेशन यूरोप के चैयरमैन केशव ढांडा केसरी व उनकी जीवनसंगनी गजब हरियाणा समाचार पत्र के कार्यालय में पहुंचे। जहां पर सलाहकार गुरदयाल सिंह, संपादक जरनैल सिंह रंगा, अर्जुन सिंह, जगराम, दयानंद खीची, अशोक कुमार, वीरेंद्र रॉय, बलजीत चंदेल, शेर सिंह अम्बाला ने फूलमालाओं से सम्मानित किया। ग्लोबल रविदासिया वेलफेयर फाउंडेशन, यूरोप के चैयरमैन केशव ढांडा ने संपादक जरनैल सिंह रंगा को फाउंडेशन की ओर से विशेष प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। ग्लोबल रविदासिया वेलफेयर फाउंडेशन यूरोप के चैयरमैन केशव ढांडा केसरी 1 फरवरी 2023 से 28 फरवरी तक भारत के विभिन्न राज्यों में जगत गुरु रविदास जी महाराज के जन्मोत्सव कार्यक्रमों में भाग लेने और रविदासिया समाज को गुरु रविदास जी महाराज की पवित्र अमृतवाणी से जोड़ने के लिए अति पिछड़े ग्रामीण क्षेत्रों के दौरे भी किए। अभिभावकों व बच्चों को गुरु रविदास जी महाराज के पावन संदेशों से अवगत कराया। झारखंड के कोडरमा में बेगमपुरा वर्ल्ड स्कूल का शिलान्यास भी किया गया। जिसमे केशव ढांडा केसरी मुख्यरूप से उपस्थित रहे।

कर्मचारियों को निरंतर सीखने व स्वयं को अपडेट करने की आवश्यकता: प्रो. संजीव शर्मा

केयू के ट्रैनिंग, प्लानिंग एवं मॉनिटरिंग सेल द्वारा परीक्षा शाखा में कार्यरत सहायकों के लिए आयोजित 'ऑफिस आटोमेशन' साप्ताहिक रिफ्रेशर कोर्स का हुआ समापन

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव शर्मा ने कहा कि किसी भी शैक्षणिक संस्थान को बुलंदियों पर ले जाने के लिए वहां कार्यरत कर्मचारियों को अप-टू-डेट रहना नितांत आवश्यक है। इसके लिए समय-समय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, रिफ्रेशर कोर्स व कार्यशालाओं के आयोजन का उद्देश्य कर्मचारियों को शैक्षणिक संस्थान के लक्ष्यों में अहम योगदान देते हुए उन्हें कार्यकुशल एवं बेहतर बनाना है। वे शनिवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के ट्रैनिंग, प्लानिंग एवं मॉनिटरिंग सेल द्वारा विश्वविद्यालय की परीक्षा शाखा में कार्यरत सहायकों के लिए 20 फरवरी से 25 फरवरी तक आयोजित 'ऑफिस आटोमेशन' साप्ताहिक रिफ्रेशर कोर्स के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि अपडेशन हमेशा होना चाहिए क्योंकि दिन-प्रतिदिन नई टेक्नोलॉजी आ रही है जिसको सीखना अत्यंत आवश्यक है तथा विश्वविद्यालय के विकास के लिए कर्मचारियों को निरंतर सीखने व स्वयं को अपडेट करने की आवश्यकता है। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों द्वारा आईटी क्षेत्र की बारीकियों को सीखकर कर्मचारियों की दक्षता एवं क्षमता को बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि कर्मचारी प्रत्येक कार्य को शिद्दत के साथ करें तथा विद्यार्थियों के लिए अपनी प्रत्येक जिम्मेवारी का निर्वहन करें। इस अवसर पर उन्होंने ट्रेनिंग, प्लानिंग एवं मॉनिटरिंग सेल के नोडल ऑफिसर एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश व पूरी टीम को प्रशिक्षण के सफल आयोजन के लिए बधाई भी दी। कार्यक्रम में परीक्षा आयोजित करने के उपरांत कुवि कुलसचिव प्रो. संजीव शर्मा ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण सर्टिफिकेट भी वितरित किए।

इससे पहले कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशन विभाग के प्रो. राजेन्द्र नाथ ने कुवि कुलसचिव प्रो. संजीव शर्मा, यूआईईटी के निदेशक प्रो. सुनील ढींगरा तथा टीपीएमसी के नोडल ऑफिसर डॉ. अंकेश्वर प्रकाश का स्वागत करते हुए साप्ताहिक रिफ्रेशर कोर्स की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशन विभाग के प्रो. राकेश कुमार, कोऑर्डिनेटर व सभी शिक्षकों ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार कम्प्यूटर के हेंग होने पर रिबूट की

आवश्यकता होती है इसी प्रकार कर्मचारियों को रिफ्रेश करने के लिए इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम का करवाया जाना नितांत आवश्यक है।

केयू के ट्रेनिंग, प्लानिंग एवं मॉनिटरिंग सेल के नोडल ऑफिसर एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश ने मुख्यातिथि कुवि कुलसचिव प्रो. संजीव शर्मा, विशिष्ट अतिथि प्रो. सुनील ढींगरा तथा प्रो. राजेन्द्र नाथ को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण के द्वारा निश्चित रूप से सभी प्रशिक्षार्थियों में नया आत्मविश्वास, कार्य के प्रति समझ व नई ऊर्जा पैदा होगी। उन्होंने कहा कि सर्विस में आने के कुछ समय बाद कर्मचारियों को समय के साथ नवीन तकनीकों का ज्ञान प्रदान करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम की अहम भूमिका होती है। उन्होंने कुवि कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ व कुलसचिव प्रो. संजीव शर्मा तथा कम्प्यूटर साइंस एवं एप्लीकेशन विभाग के शिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम योगदान देने के लिए शिक्षकों, प्रशिक्षकों, प्रशिक्षणार्थियों सहित आयोजन टीम को बधाई दी। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में परीक्षा शाखा के लगभग 70 सहायकों को सुबह एवं दोपहर के सत्र में प्रशिक्षण दिया गया। इस रिफ्रेशर कोर्स के समापन में मंच का संचालन परीक्षा शाखा के राजीव कुमार ने किया। रिफ्रेशर कोर्स के सफल आयोजन में स्थापना शाखा के सहायक मनदीप शर्मा व सुनील ने सहयोग किया।

रोशन मर्डर मामले की महिला आरोपी गिरफ्तार

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, जिला पुलिस कुरुक्षेत्र ने रोशन लाल मर्डर मामले की महिला आरोपी को किया गिरफ्तार । अपराध अन्वेषण शाखा-2 की टीम ने रोशन मर्डर मामले की महिला आरोपी मृतक की पत्नी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है ।

जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता नरेश कुमार सागवाल ने बताया कि दिनांक 05 फरवरी 2023 को थाना शहर थानेसर के अन्तर्गत पुलिस चौंकी सैक्टर-07 कुरुक्षेत्र में दी अपनी शिकायत में कृष्ण कुमार पुत्र कर्मचन्द वासी लोहार माजरा ने बताया कि वह तीन भाई-बहन है । उसका बडा भाई रोशन लाल पुत्र कर्मचन्द वासी समसपुर हेरीटेज ग्रैंड बैंकट मथाना में नौकरी करता था । दिनांक 04 फरवरी 2023 को समय शाम करीब 06.15 बजे उसका भाई रोशन लाल अपनी मोटरसाईकिल नम्बर एचआर-41एफ-0635 पर बैंकट हेरीटेज ग्रैंड से ड्यूटी करके बैंकट की चाबिया देने के लिए होटल हेरीटेज सैक्टर-07 कुरूक्षेत्र आया था । वह होटल के रिस्पैशन संजय को चाबिया देकर अपनी मोटरसाईकिल पर अपने घर गांव समसपुर के लिए चला था । जो अपने घर नहीं पहुंचा तथा उसका मोबाईल फोन भी बंद आ रहा है । जिसकी शिकायत पर थाना शहर थानेसर में गुमशुदगी का मामला दर्ज करके जांच पुलिस चौकीं सैक्टर-07 कुरुक्षेत्र के हवलदार प्रवीन कुमार को सौंपी गई । मामले की गंभीरता को देखते हुए बांद में जांच अपराध अन्वेषण शाखा-2 को सौंपी गई । दिनांक 15 फरवरी 2023 को अपराध अन्वेषण शाखा-2 प्रभारी निरीक्षक प्रतीक कुमार के मार्ग निर्देश में उप निरीक्षक रिषीपाल की टीम ने गुमशुदा रोशन लाल की लाश बरामद की । लाश का पोस्ट-मार्टम करवाकर परिजनों के हवाले की गई । मामले में हत्या की धारा 302 आईपीसी जोड़ी गई । अपराध अन्वेषण शाखा-2 प्रभारी निरीक्षक प्रतीक कुमार के मार्ग निर्देश में उप निरीक्षक रिषीपाल की टीम ने हत्या करने के आरोपी राहुल पुत्र धर्मचंद वासी समसपुर जिला कुरुक्षेत्र को गिरफ्तार कर लिया था ।

आरोपी को माननीय अदालत में पेश करके अदालत के आदेश से 04 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया था । रिमांड अवधि के दौरान आरोपी राहुल की निशानदेही पर मृतक रोशन लाल की मोटर साईकिल को बचगांव नहर से बरामद किया गया । दिनांक 16 फरवरी 2023 को अपराध अन्वेषण शाखा-2 प्रभारी निरीक्षक प्रतीक कुमार के मार्ग निर्देश में उप निरीक्षक रिषीपाल की टीम ने मामले में आगामी कारवाई करते हुए रोशन लाल मर्डर मामले में पहले से गिरफ्तार आरोपी राहुल के फर्द इंकसाफ पर मर्डर मामले के एक और आरोपी रवि पुत्र जीत राम वासी डेरा बाजीगर सिंगपुरा सिथाना जिला पानीपत को गिरफ्तार कर लिया था । आरोपी रवि को माननीय अदालत में पेश करके अदालत के आदेश से कारागार भेज दिया था ।

दिनांक 25 फरवरी 2023 को अपराध अन्वेषण शाखा-2 प्रभारी निरीक्षक प्रतीक कुमार के मार्ग निर्देश में उप निरीक्षक रिषीपाल की टीम ने मामले में आगामी कारवाई करते हुए रोशन मर्डर मामले में शामिल महिला आरोपी मृतक की पत्नी को गिरफ्तार कर लिया । आरोपिया से एक मोबाईल फोन बरामद किया । आरोपिया को माननीय अदालत में पेश करके अदालत के आदेश से कारगार भेज दिया ।

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक जरनैल सिंह द्वारा ढिंगंरा प्रिटिंग प्रैस, अग्रसैन चौंक, मोहन नगर, कुरुक्षेत्र से छपवाकर कार्यालय 'गजब हरियाणा' कोठी नं0 890 पी, सैक्टर-4, अर्बन इस्टेट कुरुक्षेत्र जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा से प्रकाशित व मुद्रक किया। सम्पादक जरनैल सिंह (91382-03233) Registration Namber : HAR/HIN /2018/77311